वर्ष : 17 ❖ अंक : 34 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
रविवार, 04 सितम्बर 2022

मणिपुर के बाद बिहार भी होगा जूडीयू मुक्त : सुशील मोदी 3

देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हें केजरीवाल : तेजस्वी सूर्या 8

सेंट जोसेफ स्कूल के कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम गोले

अनुगामिनी नि.सं.

दार्जिलिंग, 03 सितम्बर । सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने आज दार्जिलिंग के नॉर्थ प्वॉयंट स्थित सेंट जोसेफ स्कूल में फेडरेशन ऑफ जेसुइट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जेएएआई) की उत्तरी जोन एलुमनी कांग्रेस एनजेएएआई मिलन 2022 में शिरकत की। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ राज्य सरकार के मंत्री एमएन शेरपा, संजीत खरेल, विधायक आदित्य गोले और गरीब जन कल्याण प्रकोष्ठ के चीफ पैट्रन प्रभाकर गोले भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री गोले ने स्कूल के एलुमनी ग्रेजुएशन के अवसर पर उपस्थित होने पर खुशी जाहिर की और स्कूल परिवार को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सेंट जोसेफ्स स्कूल, दार्जिलिंग के कार्यक्रम में शामिल होने पर मुझे खुशी हो रही है। मेरे दो बच्चों ने भी यहां शिक्षा ग्रहण की है और स्कूल के प्रमुख, फैकल्टी, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से मिलकर काफी खुशी हुई।

कार्यक्रम में दार्जिलिंग प्रोविंशियल फादर विल्फ्रेड लोबो, दार्जिलिंग एवं सिक्किम बिशप रेव. स्टीफन लेप्चा, जेसुइट एजुकेशन के कॉर्फ्रेंस सचिव फादर जॉन रवि, सेंट जेवियर्स विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर फादर फेलिक्स राज, सेंट जोसेफ्स स्कूल के रेक्टर फादर स्टेनली, सेंट जोसेफ कॉलेज के मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म विभाग के प्रमुख विक्रम राई एवं अन्य लोग भी मौजूद रहे।

सिक्किम-दार्जिलिंग का संबंध हमेशा मधुर रहना चाहिए : गोले

अनुगामिनी नि.सं.

दार्जिलिंग, 03 सितम्बर । सिक्किम के मुख्यमंत्री पीएस गोले ने कामना की कि सिक्किम और दार्जिलिंग हिल्स के बीच संबंध हमेशा मधुर बना रहे। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) दार्जिलिंग के सिंहमारी स्थित सेंट जोसेफ स्कूल में एक कार्यक्रम में शिरकत करने यहां आए हुए थे। कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि उन्होंने दार्जिलिंग के सरकारी कालेज में शिक्षा ग्रहण की है।

उन्होंने कहा कि सेंट जोसेफ स्कूल के कार्यक्रम में उन्होंने केवल सामाजिक मुद्दों पर बात की। वहीं मुख्यमंत्री गोले ने कहा खेलकूद हो या अन्य विषयों में वे सहयोग करते आए हैं। इसी क्रम में दार्जिलिंग बॉक्सिंग एसोसिएशन की टीम ने आज उनसे मुलाकात की और बैठक में मदद करने का अनुरोध किया। उन्होंने दार्जिलिंग बॉक्सिंग एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल को अपनी ओर से हरसंभव मदद करने का भी वादा किया।

मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि सिक्किम हो या दार्जिलिंग पहाड़ हो जहां भी खिलाड़ी पैदा होंगे यह देश के लिए देश गर्व की बात होगी। इसी तरह मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि यदि कोई साहित्यिक कार्यक्रम होता है, तो वह उनका भी समर्थन करेंगे, लेकिन उन कार्यक्रमों को सामाजिक तरीके से किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री गोले ने किसी भी सामाजिक कार्य में पूरा सहयोग देने की बात दोहराते हुए कहा कि इसे धर्म या राजनीति से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।

इसके साथ ही सीएम गोले ने कहा कि सिक्किम सरकार दुर्घटना होने या किसी भी आपात स्थिति में यहां के लोगों की मदद के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी स्थान के वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने पर हमारी सरकार राज्य में मदद करती है। मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि आपात स्थिति में मुख्यमंत्री कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है। वहां उनके दो सचिव के अलावा एक पीआरओ और एक राजनीतिक सचिव हैं किसी से भी संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री गोले ने कहा कि सेंट जोसेफ स्कूल के कार्यक्रम में शामिल होने का आमंत्रण मिलना मेरे लिए गर्व की बात है। मैं यहां केवल स्कूल के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए आया था। उन्होंने कहा कि हालांकि मेरी शिक्षा दार्जिलिंग सरकारी महाविद्यालय में हुई है लेकिन आज मैं अचानक वहां नहीं जा सकता इससे प्रशासन को काफी दिक्कत हो सकती है। यदि कॉलेज के किसी कार्यक्रम में उहन्हें आमंत्रित किया जाता है तो वे उसमें जरूर शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि सिक्किम, दार्जिलिंग, कालिपोंग की भाषा, चेहरा, संस्कृति सभी एक हैं, इसलिए हमें अपने रिश्ते को बनाए रखना चाहिए और एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए।

विजय भूषण पाठक ने मुख्य सचिव के रूप में ग्रहण किया पदभार

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 सितमबर । सिक्किम के नये मुख्य सचिव के रूप में वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विजय भूषण पाठक ने आज पदभार ग्रहण किया। आज सवेरे ताशीलिंग सचिवालय स्थित अपने नये कार्यालय पहुंच कर उन्होंने अपनी नयी जिम्मेदारी सम्भाली। इस अवसर पर गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आर तेलंग के अलावा विभिन्न विभागों के सचिव तथा मुख्य सचिव कार्यालय के कर्मचारियों ने खादा पहना कर उनका स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम कैडर के 1990 बैच के आईएएस अधिकारी विजय भूषण पाठक को 31 अगस्त 2022 को राज्य के मुख्य सचिव (शेष पृष्ठ ०३ पर)

पत्रकार विजय गुरुंग को पितृ शोक

अनुगामिनी नि.सं.

गंगटोक, 03 सितम्बर । राज्य के जाने माने युवा पत्रकार विजय गुरुंग के पिता बीरबल गुरुंग का शनिवार को सुबह निधन हो गया। 66 वर्ष के श्री बीरबल गुरुंग पिछले कुछ दिनों से बीमार थे और यहां के एसटीएनएम अस्पताल में भर्ती थे। वे अपने पीछे धर्मपत्नी, एक पुत्र, एक पुत्री, बहू, जवाईं और तीन नाती-नतिनी छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को बुर्तुक श्मशान घाट में किया जाएगा।

सिक्किम के चर्चित अंग्रेजी दैनिक समाचर पत्र सिक्किम एक्सप्रेस में लंबे समय से एसोसिएट एडिटर के रूम में कार्यरत विजय गुरुंग के पिता के निधन की खबर सुनकर पत्रकारिता जगत में शोक की लहर छा गई है। सिक्किम प्रेस क्लब ने उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की है। प्रेस क्लब ने उनके परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

जेल से बाहर आईं तीस्ता सीतलवाड़

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ जेल से बाहर आ गई हैं। शीर्ष कोर्ट ने उन्हें बीते दिन ही अंतरिम जमानत दी थी। उन्हें 2002 के गुजरात दंगों के मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए कथित रूप से दस्तावेज बनाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि तीस्ता सीतलवाड़ को जांच में पूरा सहयोग करना होगा। कोर्ट ने तीस्ता से अपना पासपोर्ट सरेंडर करने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि उसने इस मामले पर केवल अंतरिम जमानत के दृष्टिकोण से विचार किया है। गुजरात उच्च न्यायालय तीस्ता सीतलवाड़ की जमानत याचिका पर इस अदालत द्वारा की गई किसी भी टिप्पणी से स्वतंत्र और अप्रभावित रूप से फैसला करेगा। गुजरात हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई 19 सितंबर को होगी।

सीतलवाड़ और श्रीकुमार दोनों को जून में गिरफ्तार किया गया था, उन पर 2002 के गोधरा दंगों के बाद के मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने के लिए सबूत गढ़ने का आरोप है। वे साबरमती केंद्रीय जेल में बंद हैं।

श्रीकुमार ने जमानत के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है। मामले के तीसरे आरोपी पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट ने जमानत के लिए आवेदन नहीं किया है। भट्ट पहले से ही एक अन्य आपराधिक मामले में जेल में थे जब उन्हें इस मामले में गिरफ्तार किया गया था।

मद्रास हाईकोर्ट ने जलाशयों को लेकर दी चेतावनी, कहा- अतिक्रमण के कारण आते हैं सुनामी, भूकंप

चेन्नई, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। भारत में कुछ सालों से भूकंप और सुनामी की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जिसको लेकर विशेषज्ञ भी चिंता जाहिर कर चुके हैं। वहीं शनिवार को मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि जलाशयों की रक्षा करने के बजाय लोग उन पर अतिक्रमण करते हैं जिसके कारण ही सुनामी, भूकंप आते हैं।

मुख्य न्यायाधीश एमएन भंडारी और न्यायमूर्ति एन माला कीपीठ ने कथित अतिक्रमणकारियों की जनहित याचिकाओं को खारिज करते हुए अवलोकन किया। जिन्होंने संबंधित अधिकारियों से नोटिस को चुनौती दी थी और उन्हें इस संबंध में पट्टा (भूमि विलेख) जारी करने का निर्देश देने की प्रार्थना की थी।

मामला तिरुवल्लुर जिले में एक भूमि से जुड़ा है।

अतिक्रमणकारियों को अधिकारियों से प्राप्त नोटिसों को मुख्य रूप से इस आधार पर चुनौती दी गई है कि फॉर्म- में नोटिस जारी किए बिना फॉर्म- में नोटिस दिए गए थे। वहीं याचिकाकर्ताओं ने पानी की टंकी की भूमि पर अतिक्रमण किया था।

पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता अदालत द्वारा सुनवाई का अवसर दिए जाने के बावजूद विवादित भूमि पर अपने किसी अधिकार का हवाला नहीं दे सके।

पीठ ने कहा कि इसलिए, हम मानते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने यहां दिए गए फॉर्म- में नोटिस में हस्तक्षेप का मामला नहीं बनाया है। पीठ ने याचिकाओं को खारिज कर दिया।

कोर्ट में सख्त टिप्पणी की कि इस मामले से अलग होने से पहले, यह देखना आवश्यक है कि यदि जल निकायों और टैंकों पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण को नियमित किया जाता है, तो इससे अतिक्रमण को बढ़ावा मिलेगा और अंतिम परिणाम सूखे और इसके विपरीत बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। यदि हम प्रकृति का ध्यान रखते हैं तो प्रकृति हमारा ख्याल रखेगी। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या केवल प्रकृति की देखभाल करने में मनुष्य की विफलता के कारण है। पीठ ने कहा कि हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह जलाशयों, तालाबों, चरागाहों और यहां तक कि जंगलों को भी बनाए रखें। अगर हम प्रकृति को प्रभावित करते रहेंगे, तो यह मानव को प्रभावित करेगी, दिन-प्रतिदिन सुनामी, भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं।

निकाय चुनाव में मिली हार के बावजूद भी बीजेपी का वोट प्रतिशत बढ़ा : वी.डी. शर्मा

गणेश सिंह 'विशाल'

सिंगरौली, 03 सितम्बर । एक निजी होटल में आयोजित पत्रकारवार्ता में पत्रकारों द्वारा किए गए डीएमएफ फंड, रेल लाइन, स्वास्थ्य व रोजगार आदि के सवालों का मध्य प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वी डी शर्मा द्वारा जहां गोलमोल जवाब दिया गया वहीं महज 20 मिनट के पत्रकारवार्ता में रटी-रटाई संगठनात्मक उपलब्धियों का एक स्वर में बखान किया गया। वी डी शर्मा ने कहा कि पंचायत व नगरीय निर्वाचन में कुछ सीटों पर हारने के बाद भी बीजेपी का वोट प्रतिशत कम नहीं हुआ है बल्कि बढ़ा है।

2023 विधानसभा चुनाव अभियान का आगाज़ करने पहुंचे भाजपा अध्यक्ष वी डी शर्मा के प्रेसवार्ता के दौरान सीधी सिंगरौली सांसद रीती पाठक, भाजपा उपाध्यक्ष कांति देव सिंह, राजेश पाण्डेय भाजपा महामंत्री, देवसर विधायक सुभाष वर्मा व सिंगरौली भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गोयल मंचासीन रहे। राज्य शासन मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया द्वारा प्रदेश के चीफ़ सिकेट्री इकबाल सिंह बैस के विरुद्ध की गई टिप्पणी के सवाल पर जहां वह सर्वथा अनजान बने रहे वहीं बताया कि पूरे प्रदेश में वोट 51 प्रतिशत तक पहुंचाने में कार्यकर्ता जुट गए हैं।

श्री शर्मा ने सिंगरौली महापौरी सीट की हार को याद करते हुए कहा कि जहां-जहां हम हारे हैं वहां पिछड़ने के कारणों का समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा कि नगरीय चुनाव में जिन नगर निगमों में हमारे महापौर नहीं बने हैं वहां बीजेपी के पार्षद अधिक संख्या में जीते है और नगरीय निकाय में वोट 53 प्रतिशत है।

इसी तरह नगर पालिका परिषद में 49 प्रतिशत वोट मिले है तो नगर परिषद में 50 प्रतिशत वोट मिले हैं। बकौल श्री शर्मा प्रदेश में बीजेपी समर्थित कुल 43 जिला पंचायत अध्यक्ष बने हैं। गांव से लेकर शहर तक पार्टी को बहुमत व जनमत मिला है। उन्होंने कहा कि यह सब पार्टी द्वारा किए जा रहे विकासात्मक कार्यों की वजह से संभव हुआ। पार्टी आने वाले समय में बीजेपी पूरे प्रदेश में पीएम नरेंद्र मोदी के जन्म दिन से शुरु कर गांधी जी के जन्म उत्सव तक सेवा सप्ताह मनायेगी जिसमें कई तरह के इवेंट आयोजित होंगे।

अध्यक्ष श्री शर्मा के उद्बोधन के बाद पत्रकारों ने जैसे ही सवालों की झड़ी लगाना शुरु किया अध्यक्ष महोदय के माथे पर चिंता की लकीर खींच गई। और वह बचते बचाते निकल लिए। इस दौरान डीएमएफ फंड, रेल लाइन, एन एच व स्वास्थ्य अव्यवस्थाओं के सवाल पत्रकारों ने दागे लेकिन अध्यक्ष श्री शर्मा जबाव देने के बजाय बंगले झांकने लगे और गोल मोल जवाब दे चंद मिनट बाद ही देरी होने का हवाला दे प्रेसवार्ता समाप्ति की घोषणा करवा दिया।

सरकार अमीरों को ओर अमीर-गरीबों को और गरीब बना रही : कांग्रेस

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर शनिवार को महंगाई और बेरोजगारी जैसे जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर असंवेदनशील होने का आरोप लगाया और कहा कि वह एक सशक्त विपक्ष होने के नाते आम लोगों से जुड़े विषय को उठाती रहेगी। पार्टी महासचिव जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल और अजय माकन तथा कुछ अन्य नेताओं ने कांग्रेस की महंगाई पर हल्ला-बोल' रैली से एक दिन पहले रामलीला मैदान में पत्रकारों से बातचीत करते हुए केंद्र सरकार पर अपने उद्योगपति मित्रों को फायदा पहुंचाने का भी आरोप लगाया।

माकन ने कहा, कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी, संसद और सड़क पर महंगाई के खिलाफ और जनता के हितों की लड़ाई लड़ रहे हैं। देश के अंदर महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है, लेकिन सरकार असंवेदनशील बनी हुई है।'' उन्होंने कहा, मोदी सरकार के पिछले आठ वर्षों के कार्यकाल को देखें तो यह सवाल उठता है कि क्या किसी तरह से कर में कटौती हुई, क्या जनता को किसी तरह की राहत दी गई? माकन ने दावा किया कि सिर्फ कॉरपोरेट कर में कटौती की गई ताकि सरकार के उद्योगपति मित्रों को फायदा मिल सके।

उन्होंने कहा, यह सरकार अमीरों को और अमीर तथा गरीबों को और गरीब बना रही है। आज हम एक सशक्त विपक्ष बनकर जनता की आवाज उठा रहे हैं और आगे भी उठाते रहेंगे।'' कांग्रेस महंगाई, बेरोजगारी और कई आवश्यक वस्तुओं को माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाए जाने लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार को घेरने के मकसद से रविवार को यहां रामलीला मैदान में रैली करेगी। राहुल गांधी और कांग्रेस के कई अन्य वरिष्ठ नेता इस रैली को संबोधित करेंगे।

देश से कांग्रेस तो दुनिया से कम्युनिस्ट पार्टी गायब हो रही, अब सिर्फ बीजेपी ही विकल्प : अमित शाह

कोच्चि, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में मत्स्यफेड सहकारी, मछुआरा समुदाय के कल्याण की दिशा में काम करने वाली एक सहकारी समिति का दौरा किया। तिरुवनंतपुरम में बीजेपी एससी सम्मेलन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मैं केरल बीजेपी के कार्यकर्ताओं को बहुत-बहुत बधाई देता हूं क्योंकि पूरे देशभर में बीजेपी को काम करने के लिए सिर्फ राष्ट्रभक्ति चाहिए, लेकिन केरल में काम करने के लिए राष्ट्रभक्ति और बलिदान करने की ताकत और बहादुरी तीनों चाहिए।

उन्होंने कहा कि देशभर से कांग्रेस धीरे-धीरे गायब हो रही है और पूरी दुनिया से कम्युनिस्ट पार्टी गायब हो रही है और अगर केरल में राजनीतिक भविष्य है तो केवल भाजपा का राजनीतिक भविष्य है। कांग्रेस पार्टी और कम्युनिस्टों ने कभी भी अनुसूचित जनजातियों और गरीबों के कल्याण के लिए काम नहीं किया। उन्होंने उन्हें केवल वोट बैंक के रूप में माना।

उन्होंने कहा कि जब हमने केंद्र में पूर्ण बहुमत और जनता के अपार प्यार से सरकार बनाई, तो हमने दलित रामनाथ कोविंद को देश का राष्ट्रपति बनाया। अपने दूसरे कार्यकाल में हमने द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनने में मदद की। बाबा साहेब को कांग्रेस के शासनकाल में भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया गया था। उनकी याद में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पंच तीर्थ का निर्माण कराया।

पिछले चार दिनों में 1,293 विविध, 106 नियमित मामलों का निपटारा किया: सीजेआई

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। भारत के प्रधान न्यायाधीश यू.यू. ललित ने शुक्रवार को कहा कि शीर्ष अदालत ने पिछले चार दिनों में 1,293 विविध मामले, 106 नियमित मामले और 440 स्थानांतरण मामलों का निपटारा किया।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में अपने संबोधन में, उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत नियमित मामलों के निपटान पर अधिक से अधिक जोर दे रही है और कहा कि उनके महासचिव ने पिछले चार दिनों के आंकड़े पेश किए हैं जो दिखाते हैं कि 1,293 विविध मामले, 440 तबादले मामलों का निपटारा किया गया और पिछले दो दिनों में 106 नियमित मामलों का निपटारा किया गया।

इस कार्यक्रम में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, बीसीआई के सदस्य, विभिन्न राज्य बार काउंसिल के प्रतिनिधि और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के सदस्य शामिल थे।

प्रधान न्यायाधीश ने राज्य बार काउंसिल के सभी प्रतिनिधियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि वह ईमानदारी से उनकी उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करेंगे और शीर्ष अदालत जितना हो सके मामले को निपटाने की कोशिश करेगी।

26 अगस्त को तत्कालीन न्यायमूर्ति ललित ने एससीबीए द्वारा आयोजित मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमण के विदाई समारोह में बोलते हुए कहा था कि वह मामलों की सूची को स्पष्ट और पारदर्शी बनाना चाहते हैं।

27 अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने न्यायमूर्ति यू.यू. ललित को भारत के प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई।

सृजन घोटाले में सीबीआई टीम पहुंची सहरसा, बैंक अधिकारी हुआ फरार

सहरसा, 03 सितम्बर (नि.सं.)। बिहार के बहुचर्चित सृजन घोटाले की जांच को लेकर शनिवार की सुबह सीबीआई टीम सहरसा पहुंची। इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी के नेतृत्व में सीबीआई टीम ने शहर के न्यू कालोनी स्थित मकान में छापेमारी कर संजय कुमार नामक व्यक्ति की तलाश की। बताया जा रहा है कि मूल रूप से भागलपुर निवासी संजय कुमार बैंक आफ बड़ौदा शाखा से जुड़े हुए हैं। जिसकी गिरफ्तारी को लेकर सीबीआई टीम सहरसा पहुंची थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि सीबीआई टीम को संजय कुमार के घर में होने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद सुबह करीब छह और सात बजे के बीच स्थानीय पुलिस के सहयोग से धावा बोला। घर का दरवाजा नहीं खुलने के बाद टीम चाहरदीवारी कूद कर अंदर प्रवेश किया। लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। स्थानीय लोगों के अनुसार संजय शुक्रवार को देखे गए थे। कल भी टीम से जुड़े अधिकारी या कर्मी पहुंचे थे। संजय की मौजूदगी की जानकारी मिलने की पुष्टि होने के बाद शनिवार को टीम पूरी तैयारी से कार्रवाई करने के लिए पहुंची थी। लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। करीब दो घंटे की कार्रवाई के बाद टीम वापस लौट गई।

सीबीआई ने संजय की मां से पूछताछ की। टीम बैंक कर्मी के घर के अलावा उसके चिकित्सक पत्नी के क्लिनिक भी गई। लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। बताया जा रहा है कि सीबीआई की टीम तीन दिनों से सहरसा में थी। चैनपुर में सतीश झा के आवास पर भी गई। लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। कार्रवाई के संबंध में एसपी लिपि सिंह ने बताया कि स्थानीय पुलिस का सहयोग लिया गया था।

एनजीटी ने बंगाल सरकार पर 3,500 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने ठोस और तरल अपशिष्ट के उत्पादन और निस्तारण में भारी अंतर को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार पर 3,500 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। एनजीटी ने कहा कि बंगाल सरकार सीवेज और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन सुविधाओं की स्थापना को प्राथमिकता देती नजर नहीं आ रही है, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राज्य के बजट में शहरी विकास और नगरपालिका से जुड़े मामलों पर 12,818.99 करोड़ रुपये के खर्च का प्रावधान किया गया है।

नजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए के गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों को लंबे समय के लिए टाला नहीं जा सकता। साथ ही उसने स्पष्ट किया कि प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान करना राज्य और स्थानीय निकायों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। एनजीटी ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में 2,758 मिलियन लीटर सीवेज प्रतिदिन (एमएलडी) पैदा होता है और 1505.85 एमएलडी (44 एसटीपी (सीवेज शोधन संयंत्र) की स्थापना से) की शोधन क्षमता से महज 1268 एमएलडी सीवेज का शोधन किया जाता है, जिससे 1490 एमएलडी का एक बड़ा अंतर रह जाता है।

हरित पैनल ने कहा कि जीवन के अधिकार का हिस्सा होने के नाते, जो एक बुनियादी मानवाधिकार और राज्य का पूर्ण दायित्व भी है, धन की कमी के हवाले से इस तरह के अधिकार से इनकार नहीं किया जा सकता है। उसने कहा कि हालांकि, इस संबंध में केंद्र से धन हासिल करने पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती है, लेकिन राज्य अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती या उस बहाने कर्तव्यों के निर्वहन में देरी नहीं कर सकती।

एनजीटी ने कहा, पर्यावरण को नुकसान को ध्यान में रखते हुए हम मानते हैं कि जल्द से जल्द अनुपालन सुनिश्चित करने के अलावा राज्य द्वारा पिछले उल्लंघनों के लिए मुआवजे का भुगतान किया जाना चाहिए। उसने कहा, दो मदों (ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन) के तहत मुआवजे की अंतिम राशि 3,500 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसे पश्चिम बंगाल राज्य द्वारा दो महीने के भीतर अलग खाते में जमा कराया जा सकता है। एनजीटी ने स्पष्ट किया कि यदि उल्लंघन जारी रहता है तो अतिरिक्त मुआवजा वसूलने पर विचार किया जा सकता है।

नाराज हेमंत सोरेन सरकार ने करवाई एफआईआर : सांसद मनोज तिवारी

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। देवघर एयरपोर्ट की सुरक्षा के मामले में मुकदमा दर्ज होने पर झारखंड के मुख्यमंत्री पर पलटवार करते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि उनके खिलाफ गलत तरीके से एफआईआर दर्ज करवाया गई है।

मनोज तिवारी ने कहा कि अंकिता की मदद करने से नाराज हेमंत सोरेन ने उनके, स्थानीय सांसद निशिकांत दुबे और अन्य भाजपा नेताओं के खिलाफ गलत तरीके से एफआईआर दर्ज करवाया है, लेकिन इस मुकदमे की वजह से अंकिता को इंसाफ दिलाने की उनकी लड़ाई बंद नहीं होगी। देवघर एयरपोर्ट की सुरक्षा को खतरे में डालने के देवघर के डीसी के आरोप को पूरी तरह से खारिज करते हुए मनोज तिवारी ने कहा कि वहां के स्थानीय सांसद निशिकांत दुबे देवघर एयरपोर्ट के चेयरमैन है और वह स्वयं (मनोज तिवारी) नागरिक उड्डयन मंत्रालय से जुड़ी संसद की स्थायी समिति के सदस्य है और उन्होंने किसी भी तरह से नियमों का उल्लंघन नहीं किया है।

उन्होंने आगे कहा कि देवघर एयरपोर्ट की नाइट लैंडिंग का मामला कोर्ट में चल रहा है। झारखंड सरकार ने इस संबंध में कोर्ट में एक हलफनामा दिया है जो गलत है और इस संबंध में देवघर एयरपोर्ट के चेयरमैन होने के नाते निशिकांत दुबे एयरपोर्ट मैनेजर से जानकारी लेने के लिए कुछ देर रुके थे।

देवघर के डीसी पर कानून एवं नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए तिवारी ने कहा कि रिस्ट्रिक्टेड एरिया में जाकर सीसीटीवी फुटेज कैसे निकाला जा सकता है, इस मामले में 14 साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने इस मामले में मुकदमा दर्ज करवाने की बात कहते हुए कहा कि इस पूरे मसले पर निशिकांत दुबे विस्तार से जानकारी दे चुके हैं।

वहीं, इस मसले पर मीडिया द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि इस मसले पर तकनीकी पक्ष की जानकारी सांसद (निशिकांत दुबे) ने स्वयं ट्वीट कर और बयान देकर दी है। इसके साथ ही उन्होंने भी राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि झारखंड में सरकार नदारद है और अंकिता के साथ जिस प्रकार का जघन्य अपराध हुआ है, उस पर कार्रवाई करने की बजाय अंकिता के घर जाकर उनके परिजनों को सांत्वना देने वाले और मदद करने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर कर उन्हें प्रताड़ित करना उचित नहीं है।

शबाना आजमी, जावेद अख्तर, नसीरुद्दीन शाह टुकड़े-टुकड़े गैंग के स्लीपर सेल एजेंट : नरोत्तम मिश्रा

भोपाल, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। अभिनेत्री शबाना आजमी ने बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म के दोषियों की रिहाई को लेकर नाराजगी जताई थी। उनके बयान पर मध्यप्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पलटवार किया है। नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि शबाना आजमी, जावेद अख्तर और नसीरुद्दीन शाह 'टुकड़े-टुकड़े' गैंग के स्लीपर सेल के एजेंट हैं।

भाजपा नेता मिश्रा ने तंज कसा कि राजस्थान में कन्हैयालाल की हत्या हुई, इनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला। झारखंड के दुमका में एक बच्ची को जिंदा जलाकर मार डाला तो ये लोग चुप थे। भाजपा शासित राज्य में कुछ हो जाए, फिर इन्हें देश में रहने से डर लगेगा। फिर एक अवॉर्ड वापसी गैंग सक्रिय हो जाएगी। फिर ये लोग गला फाड़-फाड़ कर चिल्लाने लगते हैं। ये लोग अपनी घटिया मानसिकता का परिचय देते हैं। इन्हें सभ्य और धर्मनिरपेक्ष कैसे कहा जा सकता है। अब इन सभी लोगों की देश में कलई खुल चुकी है।

बता दें मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में शबाना आजमी ने बिलकिस बानो केस के दोषियों की रिहाई की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह स्थिति काफी भयानक है। एक तरफ से देश में नारी शक्ति को बढ़ावा देने की बातें जोर-शोर से की जाती है लेकिन इन सब को देखने के बाद मैं सोच में पड़ जाती हूं।

मिशन 2024 के लिए सियासी टकराव भारी, नीतीश कुमार बोले- एक रहे तो जनता भी साथ

पटना, 03 सिम्बर (का.सं.)। पटना में जदयू की तीन दिवसीय कार्यकारिणी की बैठक चल रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्टी पदाधिकारियों का आह्वान किया कि 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट जाएं। सभी मतभेद भूल कर लोकसभा चुनाव के लिए काम करना है। उन्होंने कहा कि वे 2 दिनों बाद वे दिल्ली जाएंगे, विभिन्न दलों के नेताओं से उनकी बात होगी। उन्होंने यह भी कहा कि पहले से भी उनकी बात विभिन्न दलों के नेताओं से हो रही है। देशभर में विपक्ष को वे एकजुट करेंगे।

नीतीश कुमार ने कहा कि 2024 का रिजल्ट भाजपा के खिलाफ जाएगा। मुख्यमंत्री शनिवार को जदयू राज्य कार्यकारिणी की बैठक में बोल रहे थे। बैठक में पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री उम्मीदवार के रूप में आगे आने की अपील भी की। बैठक में एनडीए से अलग होकर महागठबंधन सरकार बनाने के पार्टी के निर्णय को अच्छा कदम बताया गया।

नीतीश कुमार 5 सितम्बर को दिल्ली जा रहे हैं। उनका यह तीन दिवसीय दिल्ली दौरा है जिसमें कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करेंगे। नीतीश कुमार अन्य विपक्षी दलों के नेताओं से भी मिलेंगे। मिशन 2024 के तहत सभी विपक्षी दलों को बीजेपी के खिलाफ एकजुट करने के लिए नीतीश कुमार तीन दिन दिल्ली में बिताएंगे। उन्होंने कहा कि सभी विपक्षी दल एक साथ हो गए तो जनता का भी समर्थन मिलेगा। एकसाथ होने पर 2024 में पूरा विपक्ष मिलकर भाजपा को सबक सिखा देगा।

मणिपुर में जदयू में टूट के मामले में नीतीश कुमार ने कहा कि

दूसरी पार्टी के विधायकों को तोड़ना गलत बात है। देश में इस समय लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ाई जा रही है। 2024 में पूरा विपक्ष एकजुट रहा तो बहुत अच्छा निर्णय आएगा। 2024 का चुनावी रिजल्ट किसी हाल में भाजपा के खिलाफ ही जाएगा।

बैठक में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने बैठक में कहा कि भाजपा हमारे जदयू को तोड़ने में लगी थी। 2019 लोकसभा चुनाव तक भाजपा का रवैया हम लोगों के प्रति ठीक रहा, उसके बाद बीजेपी षड्यंत्र में लग गयी। 2024 के चुनाव में बीजेपी को केंद्र की सत्ता से बेदखल करने के मिशन में पूरी ताकत से लगना पड़ेगा।

महंगाई को लेकर कांग्रेस का आज हल्ला बोल, मोदी सरकार के खिलाफ रामलीला मैदान से राहुल गांधी भरेंगे हुंकार

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। कांग्रेस ने महंगाई को लेकर मोदी सरकार को असंवेदनशील करार देते हुए कहा है कि उसकी नीतियों के कारण आसमान छू रही कीमतों से जनता की कमर टूट गई है लेकिन सरकार सोई है जिसे जगाने के लिए हल्ला बोल रैली में तत्काल महंगाई रोकने के वास्ते कदम उठाने की मांग की जाएगी।

कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल, संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश, राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन, दिल्ली के प्रभारी महासचिव शक्ति सिंह गोहिल तथा दिल्ली कांग्रेस की अध्यक्ष अनिल चौधरी शनिवार को यहां रामलीला मैदान में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तेजी से बढ़ रही महंगाई ने जनता की कमर तोड़ दी है और इसी के खिलाफ रामलीला मैदान में हल्ला बोल रैली हो रही है।

वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस 2020-21 से लगातार कमरतोड़ महंगाई के खिलाफ आंदोलन कर रही और उसी की अगली कड़ी में रविवार को यहां विशाल रैली आयोजित की जा रही है जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय नेताओं के साथ ही दिल्ली तथा आसपास के राज्यों के लोग बड़ी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने आम जनता को राहत देने के लिए महंगाई रोकने के वास्ते तत्काल कदम उठाने की मांग करते हुए कहा कि इस रैली में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा अन्य नेता महंगाई के मुद्दे पर सरकार को घेरेंगे और महंगाई वापस लेने का सरकार पर दबाव बनाएंगे।

सरकार पर देश की अर्थव्यवस्था को चौपट करने का

आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उसकी नीतियों ने लोगों को महंगाई की आग में धकेल दिया है। महंगाई को लेकर मोदी सरकार को असंवेदनशील बताते हुए उन्होंने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि संसद पर इस मुद्दे पर चर्चा होती है, विपक्ष हंगामा करता है, देशभर में आंदोलन हो रहे हैं लेकिन सरकार चुप बैठी हुई है। उनका कहना था कि सरकार को संवेदनशीलता का परिचय देते हुए आम जनता की फिक्र करनी चाहिए और महंगाई को वापस लेने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए।

जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस लगातार महंगाई के खिलाफ संघर्ष कर रही है। दिल्ली के विजय चौक पर महंगाई के विरुद्ध धरना दे रहे कांग्रेस के 70 सांसदों को हिरासत में लिया गया। पार्टी के आम कार्यकर्ता और नेता इसके खिलाफ हल्ला बोल रहे हैं लेकिन सरकार कदम उठाने की बजाय उनका उत्पीड़न कर रही है। सरकार की इसी नीति को देखते हुए महंगाई के खिलाफ रविवार को यहां हल्ला बोल रैली हो रही है।

मणिपुर के बाद बिहार भी होगा जेडीयू मुक्त : सुशील मोदी

नई दिल्ली, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने मणिपुर में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल युनाइटेड (जेडीयू) को तगड़ा झटका दिया है। जेडीयू के छह में से पांच विधायकों का भगवा खेमे में विलय हो गया। इस सियासी घटना पर राज्यसभा सांसद और बिहार बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुशाली मोदी ने कहा है कि अब अरुणाचल प्रदेश के बाद मणिपुर भी जेडीयू मुक्त हो गया। उन्होंने दावा किया कि वे सभी विधायक एनडीए में बने रहना चाहते थे।

इसके अलावा सुशील मोदी ने यह भी कहा कि, ''बहुत जल्द हम बिहार में जेडीयू-राजद गठबंधन को तोड़ देंगे और राज्य को जेडीयू मुक्त कर देंगे।''

उन्होंने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए कहा कि होर्डिंग और पोस्टर लगाकर कोई भी पीएम नहीं बन सकता है।

इससे पहले सुशील मोदी ने नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए एक ट्वीट भी किया था। इसके बाद जेडीयू नेता बीजेपी पर और हमलावर हो गए हैं। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी पर बड़ा हमला किया है। अपने फेसबुक पोस्ट में ललन सिंह ने सुशील मोदी को संबोधित करते हुए भाजपा की नैतिकता और आचरण पर सवाल उठाए हैं।

ललन सिंह ने लिखा, ''सुशील जी, आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि अरुणाचल और मणिपुर दोनों जगह जदयू ने भाजपा को हराकर सीटें जीती थी। इसलिए जदयू से मुक्ति का दिवास्पन्न मत देखिए। अरुणाचल में जो हुआ था वह आपके गठबंधन धर्म के पालन के कारण हुआ था। और मनिपुर में एक बार फिर भाजपा का नैतिक आचरण सबके सामने है। आपको याद होगा कि 2015 में प्रधानमंत्री जी ने 42 सभाएं की, तब जाकर 53 सीट ही जीत पाए थे। 2024 में देश जुमलेबाजों से मुक्त होगा.....इंतजार कीजिए।''

ललन सिंह का आरोप, मणिपुर में जदयू के विधायकों को बीजेपी में शामिल करने में धन-बल का प्रयोग किया गया

पटना, 03 सिम्बर (का.सं.)। मणिपुर में अपने अधिकांश विधायकों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के एक दिन बाद जनता दल (यूनाइटेड) (जद-यू) ने शनिवार को अपने पूर्व सहयोगी पर निशाना साधा और अन्य दलों के विधायकों को फंसाने के लिए धन बल का उपयोग करने का आरोप लगाया।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा ने मणिपुर में वही किया जो उसने पहले दिल्ली, झारखंड, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में किया था।

उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा, अरुणाचल प्रदेश में हमने सात सीटें और मणिपुर में छह सीटें जीती थीं और दोनों राज्यों में हमने सीधे भाजपा को हराकर चुनाव जीता था। 2020 में अरूणाचल प्रदेश में भी यही किया गया जबकि तब हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का हिस्सा थे। गठबंधन धर्म, नैतिकता का पाठ पढाने वाले भाजपा के लोगों ने बाद में सात में छह विधायकों को तोड़ लिया और एक को हाल में अपने दल में मिला लिया है। लेकिन मणिपुर में जो कुछ भी हुआ, वहां धन-बल का प्रयोग किया गया है।

यह घटनाक्रम ऐसे वक्त हुआ है जब पार्टी यहां अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक कर रही है और बिहार के मुख्यमंत्री और पार्टी के शीर्ष नेता नीतीश कुमार को राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी भूमिका के रूप में पेश करने की कोशिश कर रही है।

लगभग चार दशकों से नीतीश कुमार के साथ जुड़े ललन ने कहा, भाजपा चाहे जो भी चाल चले, वह 2023 तक जदयू को राष्ट्रीय पार्टी बनने से नहीं रोक पाएगी।

उन्होंने कहा, भाजपा को अपने बारे में चिंता करनी चाहिए। 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा और किसी ने 42 रैलियों को संबोधित नहीं किया लेकिन पार्टी 243 सदस्यीय विधानसभा में 53 सीटें ही जीत सकी थी। उन्हें 2024 में अपने भाग्य के बारे में सोचना चाहिए। पूरा विपक्ष उनके खिलाफ एकजुट होगा।

मोदी के हालिया आरोप कि विपक्षी दल भ्रष्ट लोगों की रक्षा के लिए जुटे हुए हैं, इसका जिक्र करते हुए जदयू प्रमुख ने कटाक्ष किया, भाजपा अन्य दलों के साथ जो कर रही है वह सदाचार है, लेकिन धन बल के उसके खुले इस्तेमाल के खिलाफ एक संयुक्त लड़ाई भ्रष्टाचार है। प्रधानमंत्री ने इसे फिर से परिभाषित किया है।

उन्होंने बिहार भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी की उस टिप्पणी की भी आलोचना की जिसमें सुशील

मोदी ने कहा था कि अरुणाचल और मणिपुर के बाद बिहार जहां पार्टी को अपने बड़े सहयोगी लालू प्रसाद की पार्टी राजद द्वारा विभाजित किया जा सकता है, के जदयू मुक्त बनने की बारी है। पूर्व उपमुख्यमंत्री की इस टिप्पणी पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा, सुशील मोदी को अपने केंद्रीय नेतृत्व का दिवास्वप्न बेचने दें। इससे उन्हें राजनीतिक वनवास से बाहर आने में मदद मिल सकती है।

हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत का पहला कदम है आईएनएस विक्रांत : राजनाथ सिंह

वाराणसी, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत को भारतीय नौसेना में शामिल किया जाना, हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाने वाला पहला कदम हैं।

उत्तर प्रदेश में वाराणसी के दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन शनिवार को सिंह ने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन किया।

इससे पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि स्वदेशी तकनीक से निर्मित इतना विशाल विमानवाहक पोत बनाने वाला, भारत दुनिया का सातवां देश हो गया है। यह हिंद प्रशांत क्षेत्र में ताकतवर देश के रूप रूप में भारत की बढ़ती ताकत का पहला कदम है। उन्होंने कहा कि भारत, सिर्फ रक्षा क्षेत्र में ही नहीं बल्कि अन्य सभी क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भर बन रहा है।

गौरतलब है कि प्रधनमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिंह की मौजूदगी में शुक्रवार को सिंह की मौजूदगी में भारतीय नौसेना में आईएनएस विक्रांत को शामिल किया। पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से बने आईएनएस विक्रांत का निर्माण कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड ने किया है। इससे पहले उन्होंने संकटमोचन मंदिर में भी दर्शन पूजन किया।

यात्रा के पहले दिन सिंह ने एक पुस्तक विमोचन के कार्यक्रम में भी शिरकत की। वरिष्ठ पत्रकार हेमंत शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक देखो हमरी काशी का विमोचन सिंह की मौजूदगी में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ नेता दत्तात्रेय होसबोले ने शुक्रवार को किया था।

असम के सीएम का केजरीवाल को जवाब, 'हम चुपचाप काम करना पसंद करते हैं'

गुवाहाटी, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को फिर से टैग करते हुए ट्विटर पर शिक्षा क्षेत्र में विशेषकर चाय बागानों के लोगों के लिए अपनी सरकार की पहलों को सूचीबद्ध किया। शर्मा ने एक वीडियो क्लिप साझा करते हुए कहा कि जब तक मजबूर नहीं किया जाता, हम चुपचाप काम करना पसंद करते हैं! उन्होंने कहा कि इस शैक्षणिक वर्ष में हमने चाय बागान श्रमिकों के बच्चों के लिए 100 माध्यमिक विद्यालय स्थापित किए हैं, 100 और पर काम चल रहा है। चाय बागान असम के सुदूर हिस्सों में स्थित हैं।

वीडियो में दावा किया गया है कि असम में एक मजबूत स्कूल शिक्षा प्रणाली है, जिसमें 44,521 सरकारी स्कूलों में दो लाख से अधिक शिक्षक 65 लाख से अधिक छात्रों को पढ़ा रहे हैं। इसमें कहा गया कि राज्य सरकार द्वारा कुल 1.18 लाख मध्याह्न भोजन कार्यकर्ता भी रखे गए हैं।

वीडियो में कहा गया कि चाय बागान श्रमिकों के बच्चों के लिए इस शैक्षणिक सत्र में जहां 100 माध्यमिक विद्यालय खोले गए हैं, वहीं 100 अन्य स्कूल तथा 10 कॉलेज परियोजना की तैयारी के चरण में हैं। इसमें अंत में कहा गया कि हम चुपचाप गुणवत्ता प्रदान करना पसंद करते हैं! दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच काफी समय

से ट्विटर पर जुबानी जंग चल रही है और दोनों ही एक-दूसरे को अपने राज्य का दौरा करने तथा किए गए विकास कार्यों को देखने के लिए कह रहे हैं।

केजरीवाल को टैग करते हुए शर्मा ने शुक्रवार को स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अपनी सरकार की उपलब्धियों को साझा किया था। यह विवाद तब शुरू हुआ जब दिल्ली के मुख्यमंत्री ने खराब परिणामों के कारण असम सरकार द्वारा स्कूलों का विलय किए जाने संबंधी एक खबर के जवाब में कहा कि स्कूलों को बंद करना कोई समाधान नहीं है।

सिक्किम गरीब आवास योजना के लाभार्थियों को मिले घर

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 03 सितमबर । पराखा बीएसी तथा पाकिम बीएसी के संयुक्त तत्वावधान में आज पराखा बीएसी सभागार में सिक्किम गरीब आवास योजना के तहत ग्राथांग माचोंग में निर्मित आवासों का उद्घाटन एवं वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

बताया गया है कि कुल 56 सिक्किम गरीब आवास योजना के घरों में से पराखा बीएसी के अंतर्गत 11 और पाकिम बीएसी के अंतर्गत 3 आवासों को आज लाभान्वितों को सौंपा गया। वहीं इस दौरान 'सिक्किम आमा सशक्तिकरण योजना' को लेकर एक जागरुकता अभियान भी चलाया गया।

कार्यक्रम में अवकाशप्राप्त डीआईजी छिरिंग भूटिया, प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी विभाग के सलाहकार डुबो छिरिंग भूटिया, पाकिम एडीसी (विकास) आरबी भंडारी, पराखा बीडीओ प्रदीप कुमार गुरुंग, पाकिम बीडीओ सीएस सुब्बा, पाकिम बीएसी पीआई एमबी गुरुंग के अलावा पंचायत अध्यक्ष, तीन ग्राम पंचायत केंद्रों के वार्ड पंचायत, अन्य अधिकारी एवं लाभान्वित मौजूद रहे।

विजय भूषण पाठक .....

एससी गुप्ता के अवकाश ग्रहण के बाद नया मुख्य सचिव बनाया गया है। इससे पूर्व वे अतिरिक्त मुख्य सचिव सह विकास आयुक्त के अलावा वित्त विभाग के अतिरिक्त प्रभारी थे। सिक्किम सरकार के कार्मिक विभाग द्वारा गत 31 अगस्त को जारी किये गये कार्यालय आदेश के अनुसार श्री पाठक वित्त विभाग का अतिरिक्त प्रभार सम्भालते रहेंगे।

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 08:00 PM

DEAR OSTRICH EVENING

SATURDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:192 DrawDate on:03/09/22

1st Prize ₹1 Crore/- 44A 37181

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 37181 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

05736 07445 10550 13096 22888 31628 36797 49642 71153 87638

3rd Prize ₹450/-

0103 1356 2548 2651 3039 4192 5288 5946 7294 9397

4th Prize ₹250/-

1736 2430 3386 4144 6381 6601 7412 9374 9661 9855

5th Prize ₹120/-

0064 0121 0168 0206 0283 0403 0482 0763 0781 0783
0792 1095 1313 1417 1429 1497 1738 1931 1995 2068
2124 2233 2273 2475 2513 2547 2757 3006 3022 3279
3377 3425 3569 3591 3617 3648 3664 3716 3752 3875
4385 4438 4468 4516 4652 4680 4709 4908 4965 4973
4987 5129 5166 5223 5263 5366 5532 5748 5905 5919
6185 6193 6200 6350 6418 6449 6515 6798 6913 6961
6983 7101 7131 7186 7224 7308 7381 7409 7563 7628
7641 8163 8250 8260 8290 8316 8326 8505 8918 9012
9152 9336 9338 9390 9401 9793 9906 9915 9976 9993

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 06:00 PM

DEAR MARS SATURDAY

WEEKLY LOTTERY

Draw No:92 DrawDate on:03/09/22

1st Prize ₹1 Crore/- 90J 09589

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 09589 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

12315 14458 21442 32595 33286 34718 45362 50393 61377 67942

3rd Prize ₹450/-

1435 3152 3485 3810 4633 5676 6759 8634 8741 9572

4th Prize ₹250/-

0987 1102 3533 5005 6390 7139 7841 8525 8932 9198

5th Prize ₹120/-

0082 0097 0192 0210 0217 0298 0360 0812 0973 1118
1136 1149 1212 1505 1523 1527 1555 1658 1767 1771
1783 1852 1874 1933 1990 2109 2189 2272 2292 2306
2531 2661 3010 3044 3183 3297 3305 3437 3844 3865
3926 3972 4104 4113 4127 4224 4543 4853 4980 5028
5073 5074 5221 5237 5340 5393 5456 5518 5526 5566
5588 5678 5946 6011 6023 6029 6156 6234 6570 6620
6755 7049 7113 7284 7289 7313 7369 7422 7482 7502
7555 7655 7921 8076 8100 8233 8306 8385 8510 8692
8915 8984 9063 9356 9659 9743 9860 9877 9960 9974

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES

Draw Time: 01:00 PM

DEAR KOSAI MORNING

SATURDAY WEEKLY LOTTERY

Draw No:92 DrawDate on:03/09/22

1st Prize ₹1 Crore/- 97E 18228

(Including Super Prize Amt)

Cons. Prize ₹1000/- 18228 (REMAINING ALL SERIALS)

2nd Prize ₹9000/-

10982 15755 17852 20290 48329 50051 50335 63543 81483 97047

3rd Prize ₹450/-

1956 2953 3245 5450 6821 7011 7731 7959 8561 8567

4th Prize ₹250/-

0312 0432 0702 5014 5154 5552 5601 5749 9062 9428

5th Prize ₹120/-

0060 0184 0324 0795 0900 0976 0983 0988 1272 1346
1348 1494 1516 1766 1805 1817 1852 1873 1970 2038
2251 2350 2405 2563 2569 2800 2939 3059 3121 3126
3135 3162 3178 3277 3643 3774 3778 3808 3960 3963
3990 4006 4049 4101 4147 4210 4221 4244 4386 4463
4847 4873 4914 4950 5044 5159 5193 5244 5247 5853
6110 6207 6211 6616 6642 6769 6906 6918 6946 6957
7022 7093 7363 7660 7753 7801 7943 7965 8030 8108
8214 8270 8355 8361 8400 8481 8634 8666 8909 8962
8971 8991 9050 9127 9246 9386 9393 9400 9488 9654

ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत

पंचदीप भवन, 5/1, ग्रान्ट लेन, कोलकाता 700012

फोन: 033 2236 4451 - 56, ई-मेल: rd-westbengal@esic.nic.in

वेबसाइट: www.esic.nic.in

41-D/11/11/BO-OPENING/2020/Genl. Date: 02.09.2022

कार्यालय स्थान के लिए अभिरुचि की अभिव्यक्ति

अपर आयुक्त एवं क्षेत्रीय निदेशक, ईएसआईसी पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम क्षेत्र, गेजिंग (पश्चिम सिक्किम) एवं मंगन (उत्तर सिक्किम) में ईएसआईसी शाखा कार्यालय की स्थापना के लिए, पट्टे पर, निर्मित आकृति स्थान को किराया पर देने वाले व्यक्ति, पार्टियों से (ईओआई) अभिरुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित करते हैं।

उक्त स्थापना के लिए केवल प्रथम तल अथवा भूमि तल पर सुविधाजनक स्थान पर अनुमानित 1000 वर्ग फिट क्षेत्र की आवश्यकता है।

ईओआई को मुहरबंद लिफाफा में एवं अपर आयुक्त एवं क्षेत्रीय निदेशक, ईएसआईसी क्षेत्रीय कार्यालय, सामान्य शाखा, 5/1, ग्रांट लेन, कोलकाता-700012 के पते पर भेजना है। विस्तृत विवरण के लिए कृपया www.esic.nic.in देखें।

ईओआई के जमा करने की अंतिम तिथि विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 21 दिन है।

हस्त./-

अपर आयुक्त एवं क्षेत्रीय निदेशक, प. बंगाल एवं सिक्किम क्षेत्र

संपादकीय पृष्ठ

विक्रांत का गौरव

यह देश के लिए बड़ी खुशखबरी है कि भारतीय नौसेना को पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत मिल गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में केरल तट पर विशाल पोत आईएनएस विक्रांत भारत की आन-बान-शान में शुमार हो गया। प्रधानमंत्री ने यहां तक कह दिया कि यह पोत समंदर की सभी चुनौतियों को भारत का जवाब है। लंबे समय से इस स्वदेशी पोत का इंतजार था। पोत बनाने की क्षमता अभी केवल चंद विकसित देशों के पास है, अब इन देशों में भारत भी अपनी अनोखी क्षमता के साथ शामिल हो गया है। यह पोत स्वयं ही इतनी ऊर्जा पैदा करने में सक्षम है, जिससे 5,000 से ज्यादा घरों को रोशन किया जा सकता है। इसमें जितने केबल और तार इस्तेमाल हुए हैं, वे कोच्चि से शुरू हों, तो काशी तक पहुंच सकते हैं। इसका डेक एक फुटबॉल मैदान के बराबर बताया जा रहा है। वाकई इसके आने से नौसेना की ताकत में ही नहीं, बल्कि मनोबल में भी वृद्धि होगी। स्वदेशी पोत से स्वदेश की रक्षा के संकल्प को मजबूती मिलेगी। यह जरूरी है कि सेना में ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी साजो-सामान हों, ताकि उनकी देखरेख आसानी से हो सके। स्वदेशी पोतों पर किसी नई सुविधा को जोड़ने व पुरानी को हटाने में भी अनावश्यक समय नहीं लगेगा।

यह गौर करने की बात है कि भारत के नौसेना विज्ञान को भी इस अवसर पर खूब याद किया जा रहा है। भारत एक समय नौसेना के मामले में बहुत सक्षम था। मध्यकालीन इतिहास को अगर देखें, तो 1650 के आसपास छत्रपति शिवाजी ने अपनी नौसेना का निर्माण किया था। वह नौसेना की जरूरत को समझ गए थे, लेकिन जब देश पर अंग्रेजों का वर्चस्व बढ़ा, तो उन्होंने भारतीय नौसेना विज्ञान और उद्योग को एक तरह से प्रतिबंधित कर दिया। भारत नौसेना ही नहीं, अस्त्र-शस्त्र निर्माण के क्षेत्र में भी काफी पिछड़ गया और आज के समय में भी सामरिक संसाधनों के मामले में हम आत्मनिर्भरता से बहुत दूर हैं। हमारे पास विमानवाहक पोत और भी हैं, लेकिन उनका निर्माण स्वदेशी तकनीक या स्वदेशी प्रयासों से नहीं हुआ है। गौरव के क्षणों में भी हमें यह एहसास जरूर होना चाहिए कि एक विशाल विमानवाहक पोत बनाने में हमें एक दशक से भी ज्यादा समय लग गया है। शिवाजी सामरिक मोर्चे पर अपने समय और विश्व के साथ कदम मिलाकर चल रहे थे, इसलिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। हमारे सामरिक रणनीतिकारों की सोच में अगर शिवाजी बरकरार हैं, तो यह आश्वस्त करने वाली बात है।

यह अतिरिक्त खुशी की बात है कि नौसेना का ध्वज न केवल बदल गया है, बल्कि अब उस पर शिवाजी की छाप दिखने लगी है। हालांकि, यह अफसोस की बात है कि गुलामी के दौर के अंत के इतने वर्ष बाद भी नौसेना के झंडे में अंग्रेजों का एक प्रतीक चिह्न सेंट जॉर्ज क्रॉस शामिल था। आखिर सरकारें गुलामी के इस प्रतीक को क्यों ढोती रहीं? क्या ऐसे ही अनेक शर्मनाक प्रतीक अब भी देश पर लदे हुए हैं? नए भारत में गुलाम भारत की कोई चीज बची न रहे, यह सुनिश्चित करना चाहिए। बेशक, आईएनएस विक्रांत का पदार्पण एक आगाज होना चाहिए। भारत में सामरिक निर्माण विकास में तेजी लाने की जरूरत है।

भारत जिस तरह से चुनौतियों से घिरता जा रहा है, उसमें स्वदेशी तैयारी और जरूरी हो गई है। भारतीयों को रक्षा मामले में सच्चा गौरव तब हासिल होगा, जब हम अपने अधिकतम अस्त्र-शस्त्र, सैन्य साजो-सामान, वाहन स्वयं बनाने लगेंगे।

स्वदेशी विमान वाहक क्यों जरूरी

प्रशांत दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को स्वदेशी आईएनएस विक्रांत, जिसे स्वदेशी विमान वाहक (आईएसी)-I माना जाता है, नौसेना को सौंप दिया है। इसकी सबसे खास बात यह है कि यह तैरता हुआ रणनीतिक मंच कोचीन शिपयार्ड में बड़े पैमाने पर संसाधनों का उपयोग करके तैयार किया गया है, जिसमें लॉन्चिंग कैटापल्ट, स्काई जंप, एवियोनिक्स, कुछ रडार और विमान संचालन के लिए आवश्यक अन्य सहायक उपकरण शामिल हैं।

यह आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग है। लड़ाकू विमानों के चयन और कुछ विशेष आत्मसुरक्षा प्रौद्योगिकियों के साथ यह हमारी कल्पनाओं के अनुसार परिचालित होगा। हालांकि अब भी यह मौजूदा मिग 29 लड़ाकू विमान और एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टरों आदि के साथ संचालन करने में सक्षम है। चूंकि हमारे पास रूस से खरीदा गया विमान वाहक पोत विक्रमादित्य (एडमिरल गोर्शकोव) पहले से है और अब आईएनएस विक्रांत भी तैयार हो गया है, इसलिए अब तीसरे विमान वाहक पोत की चर्चा भी गर्माने लगी है।

हालांकि इसको लेकर दो तरह की बातें सुनने को मिल रही हैं- मधुर से लेकर कर्कश तक। असल में दो तरह के विचार हैं। एक समूह बहुत गंभीरता से स्वदेशी विमान वाहक-II पर काम शुरू करने की पैरवी कर रहा है, क्योंकि आईएनएस विक्रांत पर काम पूरा हो गया है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में निर्मित स्वदेशी आईएनएस विक्रांत के 2023 में चालू होने की संभावना है, क्योंकि इस विमान वाहक पोत के लिए अभी विमानों का चयन होना बाकी है और अन्य पोतों पर तैनात हथियार प्रणालियों की खबर आगे बढ़ाना बाकी है, लेकिन दृढ़ विश्वास है कि आईएसी-II पर मौजूदा गतिविधियां उपलब्ध सक्रिय चक्र के लिए पर्याप्त होंगी।

यह रूस से खरीदे गए आईएनएस विक्रमादित्य को पाने के दौरान लागत में भारी वृद्धि, बातचीत की जटिलताएं, देर से वितरण व कमिशनिंग और अब समय-समय पर मरम्मत के कारण हुए दर्दनाक अनुभवों को दूर करने में भी मददगार होगा। इसके अलावा, एक प्रमुख तर्क यह है कि आईएनएस विक्रांत को तैयार करने में कोचीन शिपयार्ड को अपने संतोषजनक कार्य से जो अनुभव प्राप्त हुए हैं, उसे बेकार नहीं जाने देना चाहिए।

यह आखिरकार 'रणनीतिक प्रौद्योगिकियों के साथ रणनीतिक सामग्रियों को संभालने का रणनीतिक ज्ञान' है, जो चीन द्वारा अपने तीसरे विमान वाहक पोत के उत्पादन को देखते हुए महत्वपूर्ण है। खबरों की मानें, तो कोचीन शिपयार्ड 70,000 टन तक के विमान वाहक पोत को संभाल सकता है। यह सब अपने समुद्री क्षेत्र में नियंत्रण और वर्चस्व के लिए भारत की सर्वोपरि चिंता से उपजा है।

स्वतंत्र भारत को यह बताने में आधी सदी से भी अधिक समय लगा कि होर्मुज जलडमरूमध्य और मलक्का के बीच हिंद महासागर का इलाका उसकी सामरिक चिंताओं का क्षेत्र है। हालांकि, इसे औपनिवेशिक ब्रिटिश अर्थव्यवस्था और ब्रिटिश राज की रणनीतिक अखंडता के लिए महत्वपूर्ण माना गया था। शीतयुद्ध की समाप्ति और भारत द्वारा बाजार-अर्थव्यवस्था को अपनाने से भले ही हमारी नीति में तेजी आई हो, लेकिन संघर्ष मुक्त क्षेत्र के रूप में समुद्र की अवधारणा और संचार के समुद्री मार्गों के जरिये समुद्र की स्वतंत्रता हमेशा गंभीर सुरक्षा मुद्दे थे।

और यह स्थिति चीनी शासन द्वारा बंगाल की खाड़ी में बंदरगाहों पर प्रभावी नियंत्रण हासिल करने, अफ्रीका के हॉर्न में एक सैन्य अड्डे का निर्माण करने, हिंद महासागर में अपने आक्रमण जारी रखने और सबसे बढ़कर दक्षिण चीन सागर में बेहद प्रतिकूल आचरण जारी रखने से काफी बढ़ गई है। हिंद महासागर को ताकत की होड़ और समुद्री डकैतियों से मुक्त रखना था।

दूसरे समूह का दृष्टिकोण ठीक इसके विपरीत है, जो खर्च और संसाधनों पर आधारित है। भविष्य के आईएसी-II का मतलब होगा सात से ज्यादा वर्षों में 10 अरब डॉलर का खर्च, जबकि नौसेना का अपना पूंजी अधिग्रहण परिव्यय वर्ष 2021-22 के लिए लगभग आधा अरब डॉलर आंका गया है। छह अरब डॉलर आने वाले वर्षों में स्वदेशी पनडुब्बी परियोजना पर खर्च होंगे। करीब चार अरब डॉलर आईएसी-I यानी आईएनएस विक्रांत के लिए लड़ाकू विमानों की खरीद पर खर्च किए जाने का अनुमान है। इसलिए यह सवाल पूछा जा रहा है कि पैसा कहां से आएगा। यहां तक कि रक्षा एवं सुरक्षा निधि के सभी संसाधनों को एक साथ मिला दिए जाने पर भी भारत के पास पूंजी की कमी हो जाएगी। इस मोड़ पर हम आईएसी-II के अधिग्रहण के संबंध में वांछनीयता और अवांछनीयता पर विचार करने लगते हैं, लेकिन मेरा मानना है कि यदि ठीक से इसका प्रबंधन करें, तो यह संभव है।

ध्यान देने योग्य बात यह है कि 'दुनिया भर में बढ़ रहे क्षेत्रीय विवादों के साथ, विमान वाहक पोत विश्व स्तर पर उच्च मूल्य वाली युद्ध संपत्ति बन गए हैं।' खतरे के स्तर पर एक विमान वाहक पोत को पनडुब्बी वाले समुद्र में ज्यादा असुरक्षित माना जाता है, जिसे अक्सर चीनी पनडुब्बियों के स्वतंत्र विचरण के रूप में सूचित किया जाता है। हालांकि ये आशंकाएं वास्तविक हैं, क्योंकि द्वितीय विश्वयुद्ध के कई उदाहरण हैं, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकियों के विकास के साथ पनडुब्बियों का सटीक पता लगाने की कला विकसित हुई है।

ये उपकरण न केवल पनडुब्बियों का मुकाबला करते हैं, बल्कि विमान वाहक के साथ चल रही नौकाओं पर भी नजर रखते हैं। हमें ध्यान रखना चाहिए कि पनडुब्बी रोधी विमान पी 8-I भारत के समुद्री बल का एक अविभाज्य सहायक है। भारतीय विमान वाहक पोतों पर सबसे तीखी आलोचना इस आधार पर की जाती है कि उन्होंने भारत के युद्ध इतिहास में अनुरूप योगदान नहीं किया। पर यह सच नहीं है। पाकिस्तान ने जब 1971 में युद्ध की घोषणा के बाद उत्तर-पश्चिम के कुछ भारतीय हवाई क्षेत्रों पर हमला किया, तो आवश्यक मरम्मत के बाद पहला आईएनएस विक्रांत तीन दिसंबर की मध्यरात्रि को रवाना हुआ था।

उसे पूर्वी पाकिस्तान के तट पर बंगाल की खाड़ी में तैनात किया गया था। पनडुब्बी के खतरे के बावजूद ऑपरेशन जारी था और खतरे को बेअसर कर दिया गया। पहले आईएनएस विक्रांत से 10 दिनों में विमानों द्वारा लगभग 300 आक्रामक उड़ानें भरी गईं। कई बाधाओं के बावजूद, पहले आईएनएस विक्रांत और उसके विमानों ने बांग्लादेश की मुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कूटनीति का मैदान बना कोलंबो

महेंद्र वेद

एक प्रसिद्ध कहावत है कि जब दो सांडों की लड़ाई होती है, तो छोटे सांड को कुचल दिया जाता है। चीन और भारत जैसे दो क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वियों की लड़ाई में श्रीलंका को ऐसी ही पीड़ा से गुजरना पड़ रहा है। पहले चीनी पोत को अपनी यात्रा स्थगित करने के लिए कहने और फिर उसे बंदरगाह पर रुकने की अनुमति देने जैसे श्रीलंका के विरोधाभासी फैसलों को लेकर विवाद जारी है। यह सब तब हुआ है, जब श्रीलंका गंभीर आर्थिक संकट और सत्ता परिवर्तन से जूझ रहा है।

भारतीय उच्चायोग और चीनी दूतावास की तनातनी के बीच कोलंबो कुटनीतिक युद्ध का मैदान बन गया है। दोनों देशों की अवांछित सहानुभूति श्रीलंका के साथ है। दोनों ने श्रीलंका के साथअपने करीबी संबंधों का जिक्र करते हुए बताया कि किस तरह वे उसकी मदद कर रहे हैं। यह विवाद श्रीलंका के संकट या उसकी मदद को लेकर नहीं हुआ, बल्कि ईंधन भरने के लिए पांच दिनों तक श्रीलंकाई बंदरगाह पर चीनी पोत के रुकने को लेकर हो रहा है।

भारत ने श्रीलंकाई बंदरगाह पर चीनी पोत की मौजूदगी पर आपत्ति जताई, क्योंकि उसे उसके इरादों पर संदेह है। चीन ने जोर देकर कहा कि युआन वांग-5 एक शोध और सर्वेक्षण जहाज है, पर भारत का कहना है कि यह मिसाइलों का पता लगाने की क्षमता वाला एक 'जासूसी जहाज' है। यह जहाज अब द्वीपीय राष्ट्र से दूर चला गया है, लेकिन इसने हिंद महासागर में विवादों का एक ऐसा भंवर छोड़ दिया है कि मालदीव और पूर्वी अफ्रीकी तटों पर, सेशेल्स और मॉरीशस जैसे दूर और पास के अन्य छोटे देश इसकी अनदेखी नहीं कर सकते।

भारत ने सबसे पहले हंबनटोटा में चीनी जहाज के रुकने पर आपत्ति जताई थी। स्पष्ट रूप से मना करने में असमर्थ कोलंबो ने कूटनीतिक ढंग से बीजिंग से यात्रा स्थगित करने का आग्रह किया, लेकिन जब चीन ने दबाव बनाया, तो उसने अचानक यू-टर्न लेते हुए उसे यात्रा की अनुमति दे दी। भारत गुस्से में था। चीन ने कहा कि अनुसंधान जहाज की यात्रा को लेकर भारत बहुत ज्यादा विवाद खड़ा कर रहा है और उसने श्रीलंका पर अनावश्यक 'दबाव' बनाया, जबकि श्रीलंका सहानुभूति और समर्थन का हकदार था।

भारत ने चीन के इस आरोप को खारिज कर दिया कि नई दिल्ली ने कोलंबो पर दबाव बनाया और जोर देकर कहा कि श्रीलंका को 'समर्थन की जरूरत है, न कि अवांछित दबाव की।' श्रीलंका स्थित भारतीय उच्चायोग ने कहा कि हमने चीनी राजदूत की टिप्पणी का संज्ञान लिया है। बुनियादी शिष्टाचार का उल्लंघन उनका व्यक्तिगत लक्षण है या यह व्यापक राष्ट्रीय रवैये को दर्शाता है। चीनी जहाज को अनुमति देने के कोलंबो के फैसले पर नई दिल्ली की निराशा के संकेतों के बीच, भारत में श्रीलंका के दूत मिलिंडा मोरागोडा ने भविष्य में इस तरह की समुद्री सुरक्षा चिंताओं से निपटने के लिए एक नया 'ढांचा' बनाने का आग्रह किया है।

सवाल यह है कि इसे कौन तैयार करेगा और कौन इसके मानदंड तय करेगा। भारत को आशंका है कि चीनी 'जासूसी जहाज' इसके विशाल समुद्र तट में भारत के समुद्री प्रतिष्ठानों का पता लगाने में उपयोग करेगा। यह वाजिब चिंता है, जो पिछले दो दशकों में बढ़ी है, क्योंकि चीनी पनडुब्बियां और जहाज हिंद महासागर के द्वीपीय देशों के आसपास लगातार टोह लेते रहते हैं। हंबनटोटा बंदरगाह निवेश उन कई परियोजनाओं में से एक है, जिसने श्रीलंका के कर्ज का बोझ बढ़ा दिया है।

अपने गंभीर आर्थिक संकट से बाहर निकलने के लिए श्रीलंका ने बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ बेलआउट पैकेज पर प्रारंभिक समझौता किया है। गरीब देशों को कर्ज के जाल में फंसाने के लिए चीन की विशाल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की अमेरिका, पश्चिमी देशों और भारत द्वारा तीखी आलोचना की गई है। हंबनटोटा परियोजना इसका ज्वलंत उदाहरण है, जब कर्ज का भुगतान करने में असमर्थ होने पर श्रीलंका द्वारा इसे चीन को 99 साल के लिए पट्टे पर देना पड़ा।

अपने क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी से जूझते भारत को यह स्वीकार करने की जरूरत है कि विदेशी परियोजनाओं के मामले में कई बार उससे चूक हुई है।

म्यांमार में ऐसा ही हुआ। ईरान के चाबहार बंदरगाह का निर्माण बेशक भारत ने ही किया, लेकिन बाद में भारत ने इसमें अपनी दिलचस्पी खो दी, तो अब चीन उसे विकसित कर रहा है। भारत की दिलचस्पी खोने के पीछे कुछ हद तक इसकी अक्षमता थी, लेकिन मुख्य कारण अमेरिका की नाराजगी का भय था, जो ईरान के साथ किसी भी सौदे को शत्रुता की नजर से देखता है।

इस प्रकार भारत अमेरिका और क्वाड के करीब रहने के भू-राजनीतिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए आर्थिक कीमत चुका रहा है। ये सभी महत्वपूर्ण परियोजनाएं चीन के पास गई हैं, जिसके पास उन्हें पूरा करने के लिए काफी धन और क्षमता है। श्रीलंका के साथ भारत के नर्म-गर्म रिश्ते नई बात नहीं हैं। हर बार जब श्रीलंका भारत को अपने हितों के अनुकूल नहीं पाता, तो वह चीन का रुख करता है। प्राचीन संबंधों और पौराणिक कथाओं को भूलकर श्रीलंका भारत को अपने परस्पर विरोधी राष्ट्रीय हितों की नजर से देखता है।

भारत ने सिंहली चरमपंथी गुटों से लड़ने में उसकी मदद की, जो धन्यवाद रहित काम था। फिर भारत ने जातीय संघर्ष के दौरान लिट्टे और अन्य तमिल उग्रवादी समूहों की मदद की। बहुसंख्यक सिंहली भारत के शत्रु बन गए, जबकि भारत ने उन तमिल समूहों से लड़ते हुए खून बहाया। यह एक और धन्यवाद रहित काम था। हैरानी की बात नहीं कि हाल के वर्षों में श्रीलंका के कई राष्ट्रपति, विशेष रूप से राजपक्षे (महिंदा और गोतबाया) भारत विरोधी और चीन समर्थक रहे हैं। कुल मिलाकर श्रीलंका भारत और चीन के बीच संतुलन बनाकर चल रहा है।

इस मामले में गंभीरता से ध्यान देने लायक तथ्य यह है कि नई सदी में चीन ने सिर्फ क्षेत्रीय स्तर पर नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी खुद को भारी शक्तिशाली बनाया है। अमेरिका और सहयोगियों के साथ गठबंधन कर भारत खुद को भू-रणनीतिक रूप से मजबूत बना सकता है, लेकिन जब भू-राजनीति और भू-अर्थशास्त्र की बात आती है-तो भारत को इस क्षेत्र के देशों के साथ, वे चाहे बड़े हों या छोटे, रिश्ता रखना होगा। अगर यह एशियाई सदी होने जा रही है, तो भारत को चाहे-अनचाहे चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ेगी।

केरल में 4 एयरपोर्ट के बावजूद हवाई मार्ग सेवा में नहीं हैं : थरूर

तिरुवनंतपुरम, 03 सितम्बर (एजेन्सी)। तिरुवनंतपुरम के लोकसभा सदस्य शशि थरूर ने इस बात पर अफसोस जताया है कि केरल में चार हवाईअड्डे होने के बावजूद हवाई मार्ग कम सुविधा वाले हैं।

शशि थरूर ने त्रिवेंद्रम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (टीसीसीआई) द्वारा आयोजित 'टीवीएम एंड कनेक्टिविटी समिट' के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए अवलोकन किया, जिसमें लगभग 30 एयरलाइंस ने भाग लिया।

यह बैठक केरल को दक्षिणी तमिलनाडु से जोड़ने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बुलाई गई थी, ताकि इस क्षेत्र में विशाल क्षमता को देखते हुए, उनकी कनेक्टिविटी पर जोर दिया जा सके।

थरूर ने कहा, 'हमें अभी भी बढ़ी हुई कनेक्टिविटी का उपयोग करके पर्यटन की क्षमता को पूरा करना है। यूरोप, अमेरिका और पूर्वी एशिया में मौजूद सुविधाओं के समान कम दूरी की उड़ान सुविधाएं समय की आवश्यकता है और इसने आर्थिक विकास में योगदान दिया है।'

केरल के पर्यटन मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास ने 'कनेक्टिविटी' पर जोर दिया और कहा, '2022-23 की पहली तिमाही में घरेलू यात्रा में 72.48 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, अकेले तिरुवनंतपुरम जिले में 6.9 लाख पर्यटकों ने पंजीकरण किया। सुरक्षित यात्रा, आवास और भोजन के साथ केरल में पर्यटन फिर से ठीक होने की राह पर है।'

अदाणी ग्रुप के उपाध्यक्ष (वित्त) जीत अदाणी ने बताया कि कैसे स्टेकहॉल्डर्स द्वारा सामूहिक और समर्पित प्रयास दक्षिण भारतीय क्षेत्र के आकर्षक स्थानों, आयुर्वेद और कल्याण को बढ़ावा दे सकते हैं।

अदाणी ने कहा, 'ज्ञान अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे का निर्माण और रोमांचक मनोरंजन बुनियादी ढांचे का विकास करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है।'

चीन में आर्थिक मंदी का अंदेशा

पीएस वोहरा

इन दिनों विभिन्न वैश्विक रिपोर्टों में इस बात की चर्चा है कि चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी की सुगबुगाहट देखी जा रही है। हालांकि इस बात की आधिकारिक घोषणा कहीं भी नहीं है, फिर भी विभिन्न आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर अगर यह पूर्वानुमान सही साबित होता है, तो यह एक वैश्विक आर्थिक समस्या जरूर साबित होगी। चीन विश्व के विनिर्माण क्षेत्र का एक विशाल कारखाना है।

पिछले कुछ समय से इसके आर्थिक विकास दर में गिरावट एक आर्थिक सबब का विषय बन रही है। इस स्थिति को चार भागों में समझा जा सकता है। प्रथम, कोरोना से पूर्व सब कुछ बिल्कुल ठीक था। दूसरी स्थिति, कोरोना के आगमन के बाद 2020 की जनवरी वाली तिमाही में अर्थव्यवस्था पर भारी चोट लगी तथा जीडीपी 6.8 प्रतिशत नकारात्मक रहा। तीसरी परिस्थिति के अंतर्गत कोरोना की प्रथम लहर के बाद अर्थव्यवस्था ने बड़ी अच्छी तरह से वापसी की।

अंतिम परिस्थिति ही मंदी की घबराहट का मुख्य आधार बनकर सामने आ रही है, जिसके अंतर्गत जुलाई, 2021 से अब तक लगातार विकास दर में गिरावट देखी जा रही है। चीन की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार वहां का रियल एस्टेट व निर्माण क्षेत्र है। जीडीपी का एक तिहाई हिस्सा यहीं से आता है। बैंकों की जमाओं का 40 प्रतिशत भाग भी वित्तीय सहायता के रूप में अचल संपत्ति व विनिर्माण क्षेत्र को मिलता है।

इसके अलावा लगभग 70 प्रतिशत घरेलू बचत का निवेश भी इसी क्षेत्र में जाता है। इसी कारण चीन में हर जगह इमारतों व भवनों का जाल बिछा हुआ है। लेकिन पिछले दो-तीन वर्षों से इस क्षेत्र में गिरावट दर्ज हो रही है। इस गिरावट का मुख्य कारण चीन की आर्थिक नीतियों में इसी दौरान हुआ एक परिवर्तन है, जिसके माध्यम से दो-तीन दशकों पूर्व निश्चित की गई नीतियों में बदलाव किया गया।

अगस्त, 2020 में थ्री रेड लाइन पॉलिसी को चीन की अर्थव्यवस्था में लाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य अचल संपत्ति के विनिर्माण क्षेत्र को नियंत्रित करना था। इसके अंतर्गत मुख्यत: तीन बिंदुओं पर फोकस किया गया, जिसमें कंपनियों के पास उनकी चालू उधारियों के विरुद्ध अच्छे नकद का संग्रहण होना। दूसरा, वित्तीय ऋण व पूंजी (डेट टो इक्विटी रेश्यो) का 100 प्रतिशत से अधिक न होना।

तीसरा, वित्तीय ऋण व निवेश (डेट टू इन्वेस्टमेंट) का 70 प्रतिशत से अधिक न होना। अब इन्हीं के आधार पर बैंकों से वित्तीय सहायता व ऋण संप्रेषित होता है। इसी कारण चीन में एकाएक पिछले कुछ समय से हाउसिंग सेक्टर के अंतर्गत वृद्धि रुक गई। बहुत सारे प्रोजेक्ट्स अब स्थगित हो गए हैं। लोगों में भी एक विरोध की भावना पैदा होने लगी, क्योंकि उन्हें उनके मकानों का स्वामित्व नहीं मिल रहा है।

इस कारण वे अपने वित्तीय कर्ज का बैंकों को पुनर्भुगतान नहीं करना चाहते। चीन के मशहूर एवरग्रैंड रियल स्टेट समूह का दिवालिया हो जाना इसी से संबंधित एक कारण है। इस समूह पर करीब 300 अरब अमेरिकी डॉलर का वित्तीय कर्ज था। इसे तकरीबन वर्ष 2007 के अमेरिका के लेहमन ब्रदर्स की असफलता के जैसे ही देखा जा सकता है, जहां से अमेरिका में मंदी की शुरुआत हुई थी।

अगर चीन में वास्तव में मंदी आती है, तो इससे विश्व के कई अन्य मुल्क भी बुरी तरह से प्रभावित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था भी इससे बिल्कुल भी अछूती नहीं रह पाएगी। आज के समय में भारत का चीन के साथ करीब 65 अरब डॉलर का विदेशी व्यापार है। चीन की मंदी के कारण विभिन्न प्रकार के कच्चे पदार्थों की सप्लाई चेन बुरी तरह से प्रभावित होगी, जिससे भारत के घरेलू बाजार में इसका विपरीत असर देखने को मिलेगा तथा पदार्थों की पूर्ति में कमी होने के कारण घरेलू बाजार में महंगाई एकाएक बढ़ेगी।

सकारात्मक पक्ष यह देखने को मिल सकता है कि कच्चे तेल के वैश्विक मूल्यों में कमी होगी, क्योंकि चीन विश्व का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक है। अक्सर चीन के बारे में यह पाया जाता है कि वह सभी तरह के भ्रम को बड़ी जल्दी तोड़ देता है, क्योंकि उसके सामाजिक व आर्थिक आंकड़े विश्वसनीयता पर कम खरे उतरते हैं। यह सब आनेवाले भविष्य में और निश्चित हो जाएगा।

बच्चे की नाखून चबाने की आदत ऐसे होगी दूर

कई बार देखा गया है कि बच्चों को जाने-अनजाने नाखून चबाना, दांत पीसना या बेवजह पैर हिलाने की आदत पड़ जाती है। अभिभावक इसे मामूली समझ नजरअंदाज कर देते हैं, जोकि सही नहीं है। मगर, लंबे समय तक ऐसा करने से सेहत को नुकसान होता है। चलिए हम आपको बताते हैं कि बच्चों में स्टिमिंग का आदत को कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

बच्चों में नाखून चबाना, बालों को घुमाना, पैर-हाथ हिलाने की आदतों को इन आदतों को ऑटिज्म से जुड़ा माना जाता है। हालांकि अगर समय रहते अभिभावक कुछ उपाये करें तो उनकी ये आदतें छुड़वाई भी जा सकती है।

इसने कई प्रकार के नुकसान होते हैं।

- गंदगी से भरे नाखून जब मुंह में जाते हैं तो इससे बच्चों को इंफेक्शन, दांत कमजोर, मसूड़ों की बीमारियां, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इंफेक्शन्स , डायरिया और पेट दर्द की समस्या हो सकती है।
- पैर हिलाने की आदत से लगातार पैरों में दर्द व सनसनी, खिंचाव, भारीपन, , कमजोर मांसपेशियां और पैरों में चुभन महसूस होने लगती है। वहीं, इससे जोड़ कमजोर और ब्लड सर्कुलेशन बिगड़ने का डर भी रहता है।
- लंबे समय तक उंगलियां चटकाने से गठिया रोग की समस्या भी हो सकती है। दरअसल, ये हड्डियां एक दूसरे से जुड़ी होती है और उंगलियां चटकाने से इनके बीच मौजूद द्रव कम होता जाता है, जिससे बच्चे इस बीमारी की चपेट में आ सकते हैं।

नाखून चबाने की आदत

बच्चों की उंगलियों में नीम या लौंग का तेल लगा दें। इसका स्वाद कड़वा होता है, जिससे बच्चे की नाखून चबाने की आदत छोड़ देती है।

बच्चों को व्यस्त रखें। उनसे ड्रांइग करवाएं या हाथों की कोई भी एक्टिविटी करवाएं। अगर बच्चे पढ़ते या टीवी देखते समय ऐसा करते हैं तो उन्हें खानपान में व्यस्त रखें ।

पैर हिलाने पर तुरंत टोकें

जैसे ही बच्चे पैर हिलाने लगे तो उन्हें तुरंत टोक दें। आपके बार-बार ऐसा करने से उनकी आदत दूर हो जाएगी। हो सकता है बच्चा ऐसा स्ट्रेस की वजह से कर रहे हों। ऐसे में उन्हें तनावमुक्त रखने के लिए फिजिकल एक्टिवीटी ज्यादा करवाएं और उन्हें व्यस्त रखें।

योग से दूर होगा स्ट्रेस

आपका बार-बार बालों से खेलता है तो उन्हें टोक दें और समझाएं कि ये गलत है। शुरु से ही बच्चे को तनाव मुक्त और रखने के लिए योगा करवाएं।

बच्चों को सेहतमंद रखेंगे ये पौष्टिक आहार

कोरोना महामारी के इस दौर में अगर आप अपने बच्चे को सेहतमंद रखने के साथ ही उसकी रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ाना चाहते हैं तो उसे बचपन से ही पौष्टिक चीजें खाने की आदत डालें। बच्चों की अच्छी सेहत के लिए उनके खाने में पौष्टिक चीजें शामिल करने से उनका शारीरिक व मानसिक विकास भी बेहतर तरीके से होता है। ऐसे में अक्सर अभिभावक इस बात से परेशान रहते हैं कि आखिर बच्चों को किस प्रकार का आहार देना चाहिये। अगर आप भी इसी समस्या से परेशान है तो यह जानकारी आप के लिए लाभदायक साबित हो सकती है। कुछ आहार ऐसे हैं जिनसे बीमारियों से बचाव के साथ ही रोग प्रतिरोधक शक्ति भी बढ़ती है।

शकरकंद

इसका सेवन करने से रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने के साथ बीमारियों से भी बचाव रहता है। फाइबर की मात्रा अधिक होने से इसका सेवन करने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। ऐसे में आप चाहे तो इसे बच्चे को 6 महीने का होने के बाद खिला सकते हैं। यह बच्चे के लिए बेस्ट आहार माना जाता है।

दलिया

बच्चों के बेहतर विकास के दलिया एक संपूर्ण आहार माना जाता है। फाइबर, आयरन और अन्य जरूरी तत्वों से भरपूर दलिया का सेवन करने से बच्चे को सही वजन मिलता है। आप इसे नमकीन, दूध वाला या पेनकेक की तरह बना कर बच्चे को खिला सकते हैं।

गाय का दूध

एक साल से छोटे बच्चे के लिए मां का दूध ही संपूर्ण आहार होता है। मगर आपका बच्चा एक साल से बड़ा है तो उसे रोजाना 3 बार गाय का दूध पिलाएं। इससे उसे सभी उचित तत्व मिलने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा।

केला

विटामिन, कैल्शियम, फाइबर, पोटेशियम आदि से भरपूर केले का सेवन करने से अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही इसमें फाइबर अधिक होने से लंबे समय तक भूख नहीं लगती है। ऐसे में वजन भी कंट्रोल में रहता है। अगर बच्चा केला खाने से मना करें तो आप उसे इससे मफीन, पैन केक या बनाना शेक बना कर दे सकते हैं।

पौष्टिक गुणों से भरपूर आड़ू का सेवन करने से बच्चे का विकास बेहतर तरीके से होता है। इसके सेवन से मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है। आप इससे शेक, फ्रूट चाट, स्मूदी के तौर पर बच्चे को दें सकते हैं।

नाशपाती

नाशपाती में विटामिन, फाइबर, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं। आयरन अधिक मात्रा में होने से यह शरीर में खून की कमी पूरा करने में मदद करता है। साथ ही मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आती है।

घी

घी का सेवन करना मां और बच्चा दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इससे रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ने से बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ती है। मगर बच्चे को इसे हजम करने में मुश्किल न आए ऐसे में उसे कम मात्रा में ही खिलाएं।

मटर

इसमें विटामिन, कैल्शियम, आयरन, फास्फोरस आदि अधिक मात्रा में होते हैं। आप बच्चों को मटर का सूप, खिचड़ी या सब्जी के रूप में खिला सकते हैं। इससे बच्चे का शारीरिक व मानसिक विकास होने में मदद मिलती है।

चीज़

आप अपने 8 महीने के बच्चे को चीज खिला सकते हैं। इसमें फास्फोरस, कैल्शियम अधिक होने से बच्चे की ग्रोथ बेहतर तरीके से होती है। आप इसे सीधा या सलाद में मिलाकर खिला सकती है।

सूखे मेवे

बच्चे की ग्रोथ के लिए उसकी डाइट में सूखे मेवे शामिल करना बेस्ट ऑप्शन है। आप इसे रातभर भिगो कर या पाउडर बनाकर बच्चे के दूध में मिलाकर पिला सकते हैं। इसके अलावा इसके लड्डू या बर्फी में मिलाकर भी इसे खिलाया जा सकता है। मगर हैवी होने के चलते इसे बच्चे को हफ्ते में 2 बार ही खिलाएं।

हैल्दी ड्रिंक्स

आप घर ही साबुत अनाज, दालों को मिक्सी में पीसकर मल्टीग्रेन पाउडर तैयार कर सकते हैं। इस पाउडर को दूध में मिलाकर पीने से बच्चे को सभी जरूरी तत्व आसानी से मिल जाएंगे।

आलू

6 महीने बाद बच्चों को आलू उबाल कर खिलाना फायदेमंद होता है। इससे बच्चे की ग्रोथ अच्छे से होने के साथ बीमारियों से बचाव रहता है। आप आलू को खिचड़ी, सूप, उबालकर आदि तरह बच्चे की डाइट में शामिल कर सकते हैं।

बच्चों को यातायात के नियम भी बताएं

स्कूल और घर में ज्यादा दूरी ना होने के कारण बच्चे अकेले ही वहां चले जाते हैं। ऐसे में हमें उन्हें यातायात के सुरक्षा नियमों की जानकारी देनी चाहिये ताकि बच्चे सुरक्षित रूप से स्कूल आ जा सकें। ध्यान रखें कि आपके बच्चे एक ही रूट से प्रतिदन आएं-जाएं और वह रास्ता सुरक्षा की दृष्टि से भी सही होना चाहिए। उन्हें ऐसे रास्ते से भेजें जिसमें सड़क पर कम-से-कम क्रासिंग हो ताकि उन्हें बार-बार सड़क पार ना करनी पड़ी।

किसी भी तरह का गैजेट जैसे मोबाइल, वीडियो गेम, टैबलेट एवं आई पैड इत्यादि उन्हें देने से बचें ताकि बच्चे सड़क पर फोन पर बात करते हुए, गाने सुनते हुए या गेम खेलते हुए किसी दुर्घटना का शिकार ना हों।

अपने बच्चों को सुरक्षा नियमों का पालन करने को कहें। चाहे वे पैदल जाते हों या वैन एवं बस में उन्हें पता होना चाहिए कि वैन में कैसे बैठना है। यदि आगे की सीट पर बैठ हैं तो बैल्ट लगा कर बैठें। सड़क पार कर रहे हैं सिग्नल देख कर करें। अपने बच्चों को लाल, हरी और पीली बत्ती का फर्क समझाएं। दस साल से कम उम्र के बच्चों के साथ किसी बड़े का होना जरूरी है। उन्हें कभी भी सड़क पर अकेले ना छोड़ें। जब तक कि उनमें सड़क नियमों को समझने की परिपक्वता ना आ जाएं।

अपने बच्चों को अजनबियों से सावधान रहने को कहें। उन्हें समझाएं किसी भी अजनबी से कोई भी उपहार, टॉफी या खाने की चीज ना लें और ना ही उनके साथ कहीं जाएं।

बच्चों को समझाएं कि सड़क के किनारे से सिग्नल को देखकर और जेब्रा क्रासिंग पर ही सड़क पार करें।

बच्चों को बताएं कि बस से उतरने के बाद हमेशा उसके सामने से ही जाएं ताकि ड्राइवर उन्हें जाते हुए देख सके।

कभी भी सड़क पर मस्ती-मजाक करते हुए दौड़ ना लगाएं। कार पार्किंग के बीच में ना भागें।

बच्चों को अपने मोबाइल और घर के नंबर, घर का पता, स्कूल का पता याद करवा दें ताकि जरूरत पड़ने पर या किसी मुसीबत में वे आपसे संपर्क कर सकें।

यदि आपके बड़े बच्चे बाइक, स्कूटर या स्केट बोर्ड से स्कूल जाते हैं तो उन्हें हैलमेट पहनने को जरूर कहें। उनकी सुरक्षा करने के लिए ध्यान दें कि वे इसका पालन कर रहे हैं या नहीं।

बच्चों को बताएं गुड और बैड टच में अंतर

जिस प्रकार आजकल मासूम बच्चों के साथ अपराध बढ़ रहे हैं उससे अभिभावकों का चिंतित होना लाजिमी है। बच्चों को घर के अंदर बंद तो नहीं रखा जा सकता। ऐसे में उन्हें किसी भी अप्रिय घटना से बचने के तरीके समझाना जरुरी है क्योंकि हाल के दिनों में स्कूलों में भी बच्चों के साथ कई हादसे हुए हैं।

बच्चों को सतर्क करना इसलिए जरुरी हैं क्योंकि बच्चे बहुत ज्यादा भोले और मासूम होते हैं। उनको अच्छे और बुरे की कोई समझ नहीं होती। जो भी उनको प्यार से बुलाता है वह उसको अपना समझने लगते हैं। उस व्यक्ति के साथ प्यार से बात करने लगते हैं। कई बार तो बच्चे अनजान इंसान के साथ भी चले जाते हैं। बच्चे मन के साफ होते हैं वह समझ नहीं पाते कि किसी के दिमाग में क्या है। ऐसे में मां-बाप को चाहिए कि वह अपने बच्चों को गुड और बैड टच के बारे में जरूर बताएं। ताकि वह किसी यौन शोषण का शिकार ना हो पाएं।

बताएं क्या है बैड टच और गुड टच

बच्चों को नहीं पता कि गुड टच और बैड टच क्या होता है। इसलिए आप उन्हें ना सिर्फ इसके बारे में बताएं बल्कि उन्हें समझाने की कोशिश करें, ताकि वो आसानी से समझ सके। बच्चों को बतायें कि कोई भी अनजान उनके करीब आने का प्रयास करे तो दूर हो जायें और अगर वह उन्हें जबरदस्ती पकड़े तो शोर मचाकर लोगों को बतायें। किसी अनजान की बातों में न आयें और न ही खाने पीने का सामान लें। कोई लालच दे तो भी इंकार कर दें।

तेज दिमाग के लिए बच्चों को एनर्जी ड्रिंक

अगर आप का बच्चा भी जल्दी भूल जाता है और इससे उसे पढाई में भी परेशानी आती है तो इसमें पोषण की कमी हो सकती है। कई बार संतुलित आहार या किसी तत्व की कमी से भी ऐसा होता है। इसका कारण यह भी है कि बच्चे खाने- पीने में बहुत ही आनाकानी करते हैं। ऐसे में उन्हें सही पोषण न मिलने के कारण दिगाम का विकास ठीक से नहीं हो पाता। ऐसे में बच्चों को ड्राई फ्रूट्स से एक एनर्जी ड्रिंक बनाकर दें। प्रतिदिन इस एनर्जी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की याददाश्त बेहतर होने के साथ ही उसका दिमाग भी तेज होगा। एनर्जी ड्रिंक के लिए खरबूजे के बीज, हरी इलायची, बादाम, खसखस, सौंफ और काली मिर्च को मिलाकर बनाया जा सकता है।

ड्राई फ्रूट्स से तैयार इस ड्रिंक को पीने से बच्चे को सभी उचित तत्व आसानी से मिल जाएंगे। इससे उसके शरीर व दिमाग का बेहतर तरीके से विकास होने के साथ बीमारियों से बचाव रहेगा। आप इसे बच्चों को सुबह और शाम को भूख लगने पर पिला सकती है। इससे मिलेंगे ये फायदे

तेज दिमाग

ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर अखरोट का सेवन करने से दिमाग का विकास अच्छे से होगा। ऐसे में स्मरण शक्ति बढ़ने में मदद मिलेगी।

खून की कमी होगी दूर

सूखे मेवों से तैयार इस ड्रिंक को पीने से शरीर को भरपूर मात्रा में आयरन मिलेगा। ऐसे में खून की कमी पूरी होगी। साथ ही थकान व कमजोरी की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। शरीर दिनभर एनर्जेटिक रहेगा।

आंखों के लिए फायदेमंद

विटामिन-ए का उचित स्त्रोत होने से आंखों की रोशनी बढ़ने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे जुड़ी बीमारियों के होने का खतरा भी कम रहेगा।

रोग प्रतिरोधी शक्ति बढ़ेगी

इस हेल्दी ड्रिंक का सेवन करने से बच्चे की इम्यूनिटी स्ट्रांग होगी। ऐसे में बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कम रहेगा। साथ ही बच्चे में सुस्ती व कमजोरी दूर हो ताकत आएगी। इसतरह आपका बच्चा दिनभर एनर्जेटिक महसूस करेगा।

सही वजन दिलाए

रोजाना इस ड्रिंक के 1-2 गिलास बच्चे को जरूर पिलाएं। इससे बच्चों का दुबलापन दूर हो उन्हें सही वजन मिलने में मदद मिलेगी।

मजबूत हड्डियां

इसके सेवन से विटामिन, कैल्शियम की कमी पूरी होगी। ऐसे में बच्चे के मांसपेशियों व हड्डियों में मजबूती आएगी। साथ ही बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

कब्ज से राहत

इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने से कब्ज की परेशानी से छुटकारा मिलेगा। पेट अच्छे से साफ हो बेहतर तरीके से विकास होने में मदद मिलेगी।

बेहतर पाचन तंत्र

सूखे मेवे विटामिन, आयरन, एंटी-ऑक्सीडेंट गुणों से भरपूर होते हैं। ऐसे में इस ड्रिंक का सेवन करने से पाचन तंत्र मजबूत होने में मदद मिलती है। इससे अपच, पेट दर्द, एसिडिटी की परेशानी से राहत मिलती है.

दलाई लामा की तस्वीरें रखने पर दो तिब्बती साधुओं तीन साल की सजा

बीजिंग । चीनी अधिकारियों ने तिब्बत के प्रमुख बौद्ध आध्यात्मिक नेता दलाई लामा की तस्वीरें रखने पर दो तिब्बती साधुओं को कम से कम तीन साल जेल की सजा सुनाई है। दलाई लामा 1959 से भारत में रह रहे हैं। 30 साल के एक साधु तेनज़िन धारग्ये को सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था। सूत्रों ने कहा कि उनके साथ कई अन्य साधुओं को भी गिरफ्तार किया गया। रिग्त्से उनमें से एक थे। उनकी उम्र के बारे में पता नहीं। तेनज़िन धारग्ये को तीन साल और छह महीने की सजा सुनाई गई, जबकि रिग्त्से को तीन साल की सजा सुनाई गई। दोनों साधु तिब्बती स्वायत्त प्रांत के सेरशुल काउंटी के एक मठ में रहने वाले 250 लोगों में से थे। उनके सेल फोन पर दलाई लामा की तस्वीरें थीं और वे पिछले दो वर्षों से हिरासत में हैं। सूत्र ने कहा, इस साल मई में उन दोनों को दलाई लामा की तस्वीरें लेकर 'अलगाववाद' करने का दोषी ठहराया गया। सूत्र ने कहा, वे दोनों सेरशुल काउंटी में पीपुल्स कोर्ट द्वारा दोषी ठहराए गए थे और कोई नहीं जानता कि मुकदमा कितना निष्पक्ष था क्योंकि उनके परिवारों और रिश्तेदारों को उनसे मिलने की अनुमति नहीं थी।

तिब्बती लोगों को चीनी अधिकारियों द्वारा धमकी दी जाती है, इसलिए वे उनके बारे में कोई जानकारी साझा नहीं करते हैं, इसकारण हम उनके स्वास्थ्य के बारे में नहीं जानते हैं या उन्हें किस जेल में बंद किया गया है। 2011 से, चीनी सरकार आक्रामक रूप से हर घर का निरीक्षण कर रही है और तिब्बतियों को धमका रही है, उन्हें बता रही है कि दलाई लामा की तस्वीरें रखना हथियार रखने के समान ही घोर अपराध है।

फ्रांसीसी अभियोजक ने आतंकवादी हमले के बढ़े हुए खतरे के प्रति आगाह किया

पेरिस, । फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधी अभियोजक ने इराक और सीरिया से आने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों से फ्रांसीसी भूमि पर आतंकवादी हमलों के बढ़े हुए खतरे के प्रति शुक्रवार को आगाह किया। फ्रांसीसी समाचार चैनल 'बीएफएम टीवी' को दिए साक्षात्कार में जीन-फ्रांकोइस रिकर्ड ने कहा कि जिन क्षेत्रों में आतंकवादी सक्रिय हैं, विशेषकर इराक और सीरिया जैसे देश, वहां से आने वाले कट्टरपंथियों द्वारा फ्रांस में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की आशंकाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है। रिकर्ड की यह टिप्पणी 2016 में नीस में बैस्तिल डे पर हुए ट्रक हमले के सिलसिले में आठ संदिग्धों के खिलाफ मुकदमे की शुरुआत से पहले आई है, जिसमें 86 लोग मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। उन्होंने कहा, '2020 के बाद से आतंकवादी खतरा बढ़ गया है। पिछले दो साल से हम देख रहे हैं कि आईएस इराक और सीरिया जैसे देशों में कैसे एक बार फिर सिर उठा रहा है और कुछ हिस्सों पर नियंत्रण हासिल करने में सफल हो रहा है।' रिकर्ड ने जनवरी में सीरिया के उत्तर-पूर्वी शहर हस्साकेह में एक जेल पर हुए हमले का जिक्र किया, जिसमें आईएस के संदिग्ध आतंकवादी भी बंद थे। उन्होंने कहा कि फ्रांस में आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी ठहराए गए ऐसे लोगों ने एक और खतरा पैदा किया है, जो अब रिहा होने जा रहे हैं। रिकर्ड ने कहा कि ऐसे लोग अपराध का रास्ता कम ही छोड़ते हैं और फ्रांस की न्यायिक एवं खुफिया सेवाएं उन पर लगातार नजर रखेंगी। फ्रांसीसी अभियोजक ने कहा कि आतंकवादियों को हमले करने से रोकने के लिए फ्रांसीसी अधिकारियों को 'सब कुछ करने की आवश्यकता होगी।' उन्होंने कहा, यह एक वास्तविक समस्या है, जिससे हमें निश्चित रूप से खारिज नहीं करना चाहिए।

फ्रांस में आतंकवादी हमलों के बढ़े खतरे को लेकर अभियोजक ने चेताया

पेरिस । आतंकवाद वैश्विस समस्या बनता जा रहा है। ऐसे में फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधी अभियोजक ने इराक और सीरिया से आने वाले इस्लामी कट्टरपंथियों से फ्रांसीसी भूमि पर आतंकवादी हमलों के बढ़े हुए खतरे के प्रति चेताया है। एक फ्रांसीसी चैनल को दिए साक्षात्कार में जीन-फ्रांकोइस रिकर्ड ने कहा कि जिन क्षेत्रों में आतंकवादी सक्रिय हैं, विशेषकर इराक और सीरिया जैसे देश, वहां से आने वाले कट्टरपंथियों द्वारा फ्रांस में आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने की आशंकाओं से इंकार नहीं किया जा सकता है।

रिकर्ड की यह टिप्पणी 2016 में नीस में बैस्तिल डे पर हुए ट्रक हमले के सिलसिले में आठ संदिग्धों के खिलाफ मुकदमे की शुरुआत से पहले आई है, जिसमें 86 लोग मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। उन्होंने कहा, '2020 के बाद से आतंकवादी खतरा बढ़ गया है। पिछले दो साल से हम देख रहे हैं कि आईएस इराक और सीरिया जैसे देशों में कैसे एक बार फिर सिर उठा रहा है और कुछ हिस्सों पर नियंत्रण हासिल करने में सफल हो रहा है।'

रिकर्ड ने जनवरी में सीरिया के उत्तर-पूर्वी शहर हस्साकेह में एक जेल पर हुए हमले का जिक्र किया, जिसमें आईएस के संदिग्ध आतंकवादी भी बंद थे। उन्होंने कहा कि फ्रांस में आतंकवाद से संबंधित आरोपों में दोषी ठहराए गए ऐसे लोगों ने एक और खतरा पैदा किया है, जो अब रिहा होने जा रहे हैं। रिकर्ड ने कहा कि ऐसे लोग अपराध का रास्ता कम ही छोड़ते हैं और फ्रांस की न्यायिक एवं खुफिया सेवाएं उन पर लगातार नजर रखेंगी।

फ्रांसीसी अभियोजक ने कहा कि आतंकवादियों को हमले करने से रोकने के लिए फ्रांसीसी अधिकारियों को 'सब कुछ करने की आवश्यकता होगी।' उन्होंने कहा, यह एक वास्तविक समस्या है, जिससे हमें निश्चित रूप से खारिज नहीं करना चाहिए।

चीन के शिनजियांग प्रांत में मानवाधिकारों के हनन पर अमेरिका ने ड्रैगन को लताड़ा

वॉशिंगटन । चीन के शिनजियांग प्रांत और तिब्बत सहित अन्य क्षेत्रों में अल्पसंख्यक समुदायों पर अन्याय और हिंसा को लेकर मानवाधिकारों लगातार अवहेलना को लेकर अमेरिका ने बीजिंग को खरी-खरी सुनाई है। उसने अपने भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर बीजिंग को अपने ही लोगों के खिलाफ किए जा रहे घृणित कार्यों और उनके मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए जवाबदेह ठहराए जाने की प्रतिबद्धता भी जताई।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरेन ज्यां-पियरे ने गुरुवार को अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन के दौरान शिनजियांग में मानवाधिकारों की स्थिति को लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की रिपोर्ट का स्वागत किया, जो बुधवार रात जारी की गई थी। ज्यां-पियरे ने कहा, 'रिपोर्ट चीन में हो रहे नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर हमारी चिंताओं को और बढ़ाती है। शिनजियांग में अत्याचारों पर हमारी स्थिति हमारी कथनी और कार्यों से स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।' उन्होंने कहा, 'अमेरिका इस रिपोर्ट का स्वागत करता है, इस अहम रिपोर्ट का, जो चीन सरकार द्वारा उइगर और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ किए गए घृणित मानवाधिकार व्यवहार का आधिकारिक रूप से वर्णन करती है।' इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के शिनजियांग में उइगर समुदाय के लोगों और अन्य को जबरन नजरबंद रखना मानवता के खिलाफ अपराध के दायरे में आ सकता है। ज्यां-पियरे ने कहा कि बाइडन प्रशासन ने ठोस कदम उठाए हैं और राष्ट्रपति ने जी7 सहित सहयोगी देशों और भागीदारों को यह सुनिश्चित करने के लिए लामबंद किया है कि शिनजियांग सहित सभी स्थान जबरन श्रम से मुक्त हों। उन्होंने कहा, 'हम चीन को जवाबदेह ठहराने के लिए भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। हम चीन से शिनजियांग, तिब्बत और पूरे चीन में इन अत्याचारों को तुरंत बंद करने, अन्यायपूर्ण तरीके से नजरबंद किए गए लोगों को रिहा करने, लापता लोगों का पता बताने और स्वतंत्र जांचकर्ताओं को बिना किसी बाधा के शिनजियांग तक पहुंचने देने का आह्वान करेंगे।' अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने एक बयान जारी कर कहा कि संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायोग कार्यालय द्वारा 31 अगस्त को जारी रिपोर्ट शिनजियांग में होने वाले मानवाधिकारों के उल्लंघन और दुर्व्यवहारों का खतरनाक विवरण बयां करती है।

ब्रिटेन में रातोंरात मालामाल हो गया एक कपल, मिले करोड़ों के सिक्के

लंदन । ब्रिटेन में एक कपल रातों-रात करोड़पति हो गया है। उन्होंने यह कभी नहीं सोचा होगा कि एक दिन में वह इतना मालामाल हो जाएंगे। इन्हें अपने घर की मरम्मत के दौरान सोने के सिक्के मिले हैं। ब्रिटिश कपल को किचन फ्लोर के नीचे 264 सोने के सिक्कों का एक भंडार मिला है। कपल नॉर्थ यॉर्कशायर में रहते हैं। इन प्राचीन सिक्कों की कीमत 250,000 पाउंड यानि 2.3 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। इसे अब नीलामी के माध्यम से बेचा जाएगा। मालूम हो कि कपल 10 साल से इसी घर में रह रहे थे लेकिन इस बात की इन्हें तनिक भी भनक नहीं लगी कि उनके घर के नीचे करोड़ों का खजाना छुपा हुआ है। कपल अब इस खजाने को स्पिंक एंड सन के जरिए नीलामी के माध्यम से बेचने की तैयारी में जुटा है। सोने के सिक्कों का भंडार 400 साल से अधिक पुराना है और इसे 2019 में खोजा गया था। कपल को यह सिक्का तब मिला जब किचन के फ्लोर को उन्होंने मरम्मत के दौरान हटाया। सिक्का एक मेटल के अंदर पाया गया, जो कंक्रीट के नीचे सिर्फ छह इंच दबा हुआ था। कपल ने पहले सोचा कि उन्होंने एक बिजली के केबल पर हिट किया है, लेकिन जब उन्होंने फर्श को उठाया तो उन्हें एक कप में सिक्कों का ढेर मिला।

जिब्राल्टर के पास एलएनजी टैंकर के साथ टक्कर के बाद कैटलन खाड़ी में आधे डूबे मालवाहक जहाज ओएस 35 से तेल रिसाव बड़े पैमाने पर हो रहा है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने 'स्वतंत्रता शब्द लिखकर किया टवीट, हो गया वायरल

कीव । यूक्रेन और रूस के बीच छह माह से ज्यादा समय से युद्ध हो रहा है। इस युद्ध में यूक्रेन को भारी नुकसान पहुंचा है। उसके कई बड़े शहर खंडहर में तब्दील हो गए। रूस के मुकाबले कई गुना कमजोर होने के बावजूद यूक्रेन झुकने की बजाए डटकर सामना कर रहा है। इस बीच राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्विटर पर एक पोस्ट किया जो कि कुछ ही देर में ट्रेंड करने लगा। इस पोस्ट की सबसे खास बात यह थी कि यह पोस्ट मात्र एक शब्द वाला था। ट्विटर पर पोस्ट करने के लिए शब्दों की लिमिट होती है लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने सिर्फ एक शब्द का पोस्ट किया। अब यह चर्चा में बना हुआ है। अपना मैसेज लोगों तक पहुंचाने के लिए शुक्रवार को अपने पोस्ट में जेलेंस्की ने सिर्फ 'स्वतंत्रता' लिखा। जेलेंस्की का यह एक शब्द वाला मैसेज पोस्ट करते ही कुछ देर में ट्विटर के ट्रेंडिंग लिस्ट में शामिल हो गया। अक्सर कई बार बड़े बड़े ब्रांड और मशहूर हस्तियां एक शब्द वाले ट्वीट करते हैं, जिससे उनके पोस्ट को एक अहम पहचान मिल सके। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच यह एक शब्द स्वतंत्रता वाला ट्वीट यह दर्शाने के लिए हो सकता है कि यूक्रेनियन लोगों के लिए यह लड़ाई क्या है। जेलेंस्की ने इस एक शब्द वाले ट्वीट से हजार शब्दों वाली एक तस्वीर को चित्रित किया है।

नासा ने नहीं मानी हार, नया रॉकेट चांद तक जाने को एकबार फिर तैयार

लंदन। (एजेंसी)।

स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट पर आरएस-25 इंजन में खराबी के कारण नासा के आर्टेमिस 1 लॉन्च को स्थगित करना पड़ा था। जिसके बाद अब नासा आज फिर से को चंद्रमा की अपनी पहली यात्रा पर अपने स्पेस लॉन्च सिस्टम को लॉन्च करने के लिए प्रयास करने के लिए तैयार है। रॉकेट अपनी पहली यात्रा पर ओरियन अंतरिक्ष यान के साथ शीर्ष पर लॉन्च होगा, जिसका उद्देश्य भविष्य में मनुष्यों के लिए चंद्र सतह तक पहुंचने के लिए मंच तैयार करना है।

अंतरिक्ष यान फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर के लॉन्चपैड 39बी से उड़ान भरेगा। लॉन्च भारतीय समय अनुसार रात के 11:45 बजे के लिए निर्धारित है। नासा ने एक बयान में कहा कि 29 अगस्त को पिछले लॉन्च प्रयास के बाद से टीमों ने प्रक्रियाओं, अभ्यास संचालन और परिष्कृत समयसीमा को अद्यतन किया है। प्रक्षेपण रद्द होने के कुछ दिनों बा अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को प्रक्षेपण के लिए अपनी मंजूरी दे दी। एजेंसी ने एक अपडेट में कहा कि अमेरिकी स्पेस फोर्स स्पेस लॉन्च डेल्टा 45 के साथ मौसम विज्ञानी 60त

अनुकूल मौसम की स्थिति की भविष्यवाणी करी है।

पहले प्रयास के दौरान क्या हुआ?

लॉन्च से पहले इंजन को लिक्विड हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के साथ कंडीशन किया जाना था, लेकिन टीम के इंजीनियरों ने देखा कि इंजन में रिसाव हो रहा है। जिसके बाद इसे काउंटडाउन को रोक दिया गया। काउंटडाउन क्लॉक को टी-40 मिनट पर रोक दिया गया। ये इस बात पर निर्भर करता है कि आज के असफल प्रयास की समस्या का निपटारा हो जाने के बाद लॉन्च के लिए अगला उपलब्ध अवसर 3 सितंबर का रखा गया।

सुनक, ट्रस के बीच प्रधानमंत्री पद की दौड़ में अंतिम चरण का मतदान संपन्न, परिणाम सोमवार को

लंदन (एजेंसी)।

बोरिस जॉनसन के स्थान पर कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री पद के लिए पूर्व वित्त मंत्री ऋषि सुनक और विदेश मंत्री लिज ट्रस के बीच दौड़ के क्रम में शुक्रवार को अंतिम चरण का मतदान संपन्न हो गया जिसमें पार्टी के सदस्यों ने अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में वोट डाले। कंजर्वेटिव पार्टी के प्रचार मुख्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री पद की दौड़ के विजेता की घोषणा सोमवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12.30 बजे की जाएगी। सुनक (42) और ट्रस (47) ने कंजर्वेटिव पार्टी के लगभग 1,60,000 सदस्यों के मत पाने और उन्हें प्रभावित करने के लिए कई बार आमने-सामने की बहस की।

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री ने अपने अभियान में तत्काल प्राथमिकता के रूप में बढ़ती मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने की बात कही। वहीं, विदेश मंत्री ट्रस ने वादा किया कि यदि वह प्रधानमंत्री चुनी जाती हैं तो कार्यभार संभालने के पहले दिन से ही करों में कटौती करने का आदेश जारी करेंगी। सुनक अंतिम दो उम्मीदवार चुनने के लिए पार्टी के सांसदों द्वारा किए गए मतदान में जहां ट्रस से आगे थे, वहीं एक सर्वेक्षण में पार्टी के सदस्यों के मतदान में उनके पिछड़ने की बात कही गई है। हालांकि, सुनक के समर्थकों को उम्मीद है कि सर्वेक्षण सही साबित नहीं होगा क्योंकि 2019 के आम चुनाव में बोरिस जॉनसन भी सर्वेक्षणों के अनुमान के विपरीत देश के प्रधानमंत्री बने थे।

संकटग्रस्त अफगानिस्तान की मिशन प्रमुख होंगी किर्गिस्तान की पूर्व राष्ट्रपति : यूएन महासचिव

जिनेवा (एजेंसी)।

वैश्विक निगरानी संस्था संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने किर्गिस्तान की पूर्व राष्ट्रपति रोजा ओटुनबायेवा को संकटग्रस्त अफगानिस्तान के लिए संयुक्त राष्ट्र का नया विशेष दूत नियुक्त किया गया है। महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने यह घोषणा की है। ओटुनबायेवा, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र की राजनीतिक मिशन की प्रमुख के रूप में कनाडा की डेबोरा लियोन की जगह लेंगी, जिसे यूएनएएमए के नाम से जाना जाता है। वह संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यों और देश के तालिबान शासकों के साथ व्यवहार की प्रभारी होंगी। गुतारेस ने कहा कि ओटुनबायेवा को नेतृत्व, कूटनीति, नागरिक जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में 35 वर्षों से अधिक का पेशेवर अनुभव है। उन्होंने 2010-2011 में राष्ट्रपति के रूप में, तीन मौकों पर विदेश मंत्री के रूप में, संसद में और उप प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। वह अमेरिका और ब्रिटेन में किर्गिस्तान की राजदूत भी थीं। वर्तमान में, ओटुनबायेवा मध्यस्थता पर गुतारेस के उच्च-स्तरीय सलाहकार बोर्ड की सदस्य हैं और किर्गिस्तान में रोजा ओटुनबायेवा इनिशिएटिव फाउंडेशन की प्रमुख हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने सोमवार को सुरक्षा परिषद को चेतावनी दी कि अफगानिस्तान भीषण गरीबी से जूझ रहा है, जिसमें 60 लाख लोग मानवीय, आर्थिक, जलवायु और वित्तीय संकटों के कारण भोजन की गंभीर कमी का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमें आशंका है कि ये आंकड़े जल्द और बिगड़ जाएंगे क्योंकि सर्दियों के मौसम में पहले से ही ईंधन और खाद्य कीमतें आसमान छू रही हैं।'

अगर मेरी पार्टी के कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न नहीं रुका तो इस्लामाबाद तक रैली निकालूंगा : इमरान खान

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार को आगाह किया है कि अगर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का राजनीतिक उत्पीड़न जारी रहा तो वह इस्लामाबाद तक एक विशाल रैली निकालेंगे। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने शनिवार को बताया कि देश की सबसे घनी आबादी वाले पंजाब प्रांत के गुजरात में एक जनसभा को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा कि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कार्यकर्ताओं को तब से ही अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है, जब इस साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिये उन्हें प्रधानमंत्री पद से हटाया गया था।

इमरान ने कहा, ''अगर मौजूदा सरकार ने पीटीआई समर्थकों को निशाना बनाना नहीं बंद किया तो इस्लामाबाद तक आजादी आंदोलन किया जाएगा। मैं आज आपको (पीएमएल-एन नीत सरकार) को आगाह कर रहा हूं कि अगर आपने यह राजनीतिक उत्पीड़न जारी रखा तो हमारा न्याय आंदोलन इस्लामाबाद पहुंचेगा और आपको कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी।'' इमरान ने अपने करीबी सहयोगी शहबाज गिल

समेत पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किए जाने के बाद से सरकार के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। पीटीआई के 69 वर्षीय अध्यक्ष ने गिल पर कथित बलपूर्वक कार्रवाई के लिए सरकार की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें नग्न और प्रताड़ित किया गया। इमरान ने कहा, ''सरकार ने पत्रकार जमील फारूकी को भी प्रताड़ित किया। उन्हें नग्न होने के लिए मजबूर कर अपमानित किया गया। हलीम आदिल के खिलाफ भी कई मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्हें भी जेल में प्रताड़ित किया जा रहा है।'' पूर्व प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को दिए संबोधन में युवाओं से कहा कि उन्हें एक साथ मिलकर देश के न्यायिक तंत्र को बेहतर बनाने के लिए काम करना चाहिए। इस बीच, राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने शुक्रवार को राजनीतिक दलों से विनाशकारी बाढ़ के कारण अपनी राजनीतिक गतिविधियों को रोकने का आग्रह करते हुए कहा कि राष्ट्रीय संस्थानों के भीतर विभाजन पैदा करने वाली बातें राष्ट्र हित में नहीं हैं। 'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, राष्ट्रपति ने सभी पक्षकारों से देश को एकजुट करने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने का भी आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज की हत्या करने की कोशिश नाकाम, नहीं चली पिस्तौल

यूनस आयर्स (एजेंसी)।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज ने बताया कि देश की उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज के घर के बाहर उनकी हत्या करने की कोशिश की गई। एक व्यक्ति ने उन पर पिस्तौल तान दी थी, लेकिन वह चली नहीं। अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार रात हुई घटना के तुरंत बाद संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया। राष्ट्रपति ने घटना के बाद एक राष्ट्रीय प्रसारक से कहा, '' एक व्यक्ति ने उनके सिर पर (बृहस्पतिवार रात) हथियार ताना।'' उन्होंने कहा कि गोली नहीं चली, जबकि '' उसने ट्रिगर खींच दिया था।''

उपराष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज 2007 से 2015 तक देश की राष्ट्रपति भी रह चुकी हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उपराष्ट्रपति को कोई चोट नहीं आई है। संदिग्ध व्यक्ति उनके समर्थकों के बीच खड़ा था, जिसे घटना के तुरंत बाद पकड़ लिया गया। मौके पर मौजूद जिना दे बई ने 'द एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि उन्होंने ''ट्रिगर खींचने की आवाज सुनी थी।'' उन्होंने कहा कि सुरक्षा कर्मियों के संदिग्ध को पकड़ने तक उन्हें एहसास नहीं हुआ था कि वह किसी हथियार की आवाज है।

राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज ने इसे 1983 में ''देश में लोकतंत्र बहाल होने के बाद की अभी तक की सबसे गंभीर घटना बताया।'' घटना ऐसे समय में हुई है, जब उपराष्ट्रपति के खिलाफ उनके 2007-2015 के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के कथित कृत्यों के संबंध में मुकदमे चल रहे हैं। स्थानीय टेलीविजन चैनल पर प्रसारित घटनास्थल के वीडियो में फर्नांडीज अपने घर के बाहर समर्थकों से घिरे अपने वाहन से बाहर निकलती दिख रहीं है और तभी एक व्यक्ति ''पिस्तौल'' जैसी दिखने वाली कोई एक वस्तु लिए नजर आ रहा है।

हालांकि, उपराष्ट्रपति वहां से निकलने में कामयाब रहीं। वीडियो में मौके पर मौजूद उपराष्ट्रपति के समर्थक भी स्तब्ध नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित असत्यापित वीडियो में हथियार फर्नांडीज के चेहरे को लगभग छूता नजर आ रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि हमलावर की पहचान ब्राजील के नागरिक फर्नांडो आंद्रे सबाग मोंटिएल के तौर पर हुई है। उसका कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। उसके पास .32-कैलिबर बर्सा पिस्तौल थी। राष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति के साथ एकजुटता व्यक्त करने और लोगों को इस घटना से उबरने का समय देने के लिए शुक्रवार को छुट्टी की घोषणा की है।

गौरतलब है कि एक अभियोजक ने पिछले सप्ताह सार्वजनिक कार्यों में कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में फर्नांडीज को 12 साल की सजा देने की मांग की थी, जिसके बाद से उपराष्ट्रपति के समर्थक उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए उनके घर के आसपास सड़कों पर जमा होते रहे हैं। सरकार के अधिकारियों ने इस घटना को हत्या का प्रयास बताया है। वित्त मंत्री सर्जियो मास्सा ने कहा, '' जब विचारों पर नफरत व हिंसा थोपी जाती है, तो समाज बर्बाद हो जाते हैं और आज

जैसी स्थिति उत्पन्न होती है।यह हत्या का प्रयास है।'' राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज की सरकार में मंत्रियों ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करकहा कि वे उपराष्ट्रपति की ''हत्या के प्रयास की कड़ी निंदा करते हैं।'' विज्ञप्ति में कहा गया, ''आज रात जो हुआ वह अत्यधिक गंभीर घटना है और लोकतंत्र, संस्थाओं व कानून के शासन के लिए खतरा है।

भारत बनाम पाकिस्तानः भारतीय टीम को शीर्ष क्रम बल्लेबाजी और तेज गेंदबाजी पर करना होगा फोकस

दुबई (एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 4 सितम्बर को खेला जाएगा। टीम इंडिया को यदि अपने चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के सुपर चार में पिछले मैच की तरह जीत दर्ज करनी है तो भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और तेज गेंदबाजों को भी अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभानी होगी।

गौरतलब है, एशिया कप में अभी तक टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। इसके अलावा हांगकांग के खिलाफ भारतीय तेज गेंदबाज भी मंहगे साबित हुए। ऐसे में भारत को गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव करने की जरूरत हो सकती है।

आपको बता दें, पाकिस्तान ने पिछले मैच में हांगकांग को 150 से अधिक रन से हराया। ऐसे में यह मैच भारतीय टीम के लिए एक कड़ी चुनौती होगी। भारत को रविंद्र जडेजा की कमी भी खलेगी जो चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। हालांकि उनकी जगह अक्षर पटेल को टीम में लिया गया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कप्तान रोहित शर्मा और द्रविड़ टीम में मध्यक्रम में किस बल्लेबाज को पहले भेजना पसन्द करेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मुकाबले में हार्दिक पंड्या ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने आखिरी ओवर में रोमांचक जीत दर्ज की थी। भारतीय टीम के लिए हालांकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का पावर प्ले में धीमी गति से बल्लेबाजी करना परेशानी का सबब बन सकता है।

हांगकांग के खिलाफ सूर्या ने खेली शानदार पारी

हांगकांग जैसी कमजोर टीम के खिलाफ भी भारतीय शीर्ष क्रम में धीमी बल्लेबाजी देखने को मिली हालांकि सूर्यकुमार यादव की तूफानी पारी की बदौलत भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। भारतीय शीर्ष क्रम के धीमे खेल का अंदाजा केएल राहुल की बल्लेबाजी से लगाया जा सकता है उन्होंने हांगकांग के खिलाफ 39 गेंदों पर 36 रन बनाए थे।

लेकिन अब टीम इंडिया को अपने शीर्ष क्रम में आक्रामकता जोड़ने के लिए बदलाव करने की जरूरत होगी। क्योंकि

पिछले दो मुकाबलों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि रोहित, राहुल और कोहली का संयोजन नहीं चल पा रहा है। हांलाकि देखा जाए तो सूर्यकुमार यादव राहुल के स्थान पर आक्रामक रूप से बल्लेबाजी कर सकते है। इसके अलावा मध्यक्रम की बात करें तो जडेजा के स्थान पर आर अश्विन को प्लेयिंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है।

ओलंपिक रजत पदक विजेता विजय विश्व चैम्पियनशिप के लिये भारत की 48 सदस्यीय टीम में

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

ओलंपिक रजत पदक विजेता विजय कुमार को आगामी आईएसएसएफ विश्व चैम्पियनशिप के लिये भारतीय निशानेबाजी टीम में चुना गया। वह लंदन ओलंपिक खेलों में पोडियम स्थान हासिल करने के बाद अपने पहले बड़े टूर्नामेंट में खेलेंगे। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने मिस्र के काहिरा में 12 से 25 अक्टूबर तक होने वाली विश्व चैम्पियनशिप के लिये 48 सदस्यीय भारतीय राइफल और पिस्टल टीम की घोषणा की। लंदन ओलंपिक में 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल रजत पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज ने इस साल राष्ट्रीय टीम में वापसी की थी।

उन्होंने कंधे की गंभीर चोट के कारण ब्रेक लिया था। शिमला में हिमाचल प्रदेश पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में तैनात पुलिस उपाधीक्षक विजय ने पांच साल के अंतराल बाद प्रतिस्पर्धी निशानेबाजी में वापसी की थी। पांच बार के राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता विजय 2017 में सेना छोड़कर हिमाचल प्रदेश पुलिस से जुड़ गये थे। क्रोएशिया के ओसिजेक में 19 सितंबर से शुरू हो रही शॉटगन विश्व चैम्पियनशिप के लिये 24 सदस्यीय टीम पहले ही घोषित हो चुकी है। मौजूदा टीम में कई निशानेबाज पहली बार विश्व चैम्पियनशिप में हिस्सा लेंगे जिसमें विजय और अंजुम मोदगिल (विश्व चैम्पियनशिप की पूर्व पदक विजेता) अनुभव लेकर आयेंगे। टीम के अनुभवी खिलाड़ियों में ओलंपियन मनु भाकर, ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और इलावेनिल वलारिवान के अलावा दिव्यांश सिंह पंवार शामिल हैं।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान का बयान, भारतीय किक्रेट टीम को कमाऊ पूत बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद हफीज ने हाल ही में कप्तान रोहित शर्मा को लेकर अटपटा बयान दिया था। पूर्व पाक कप्तान की इस बयान पर अभी किरकिरी हो ही रही थी कि उन्होंने एक और हलचल बढ़ा देने वाला बयान दिया है। उन्होंने बातचीत का एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो को शेयर करते हुए उन्होंने इसके कैप्शन में लिखा है, 'लाडला। शेयर किए वीडियो में उन्होंने भारतीय क्रिकेट के बारे में बातचीत की है। उन्होंने कहा है, आईसीसी और एसीसी दोनों ही भारत को इसलिए ज्यादा पसंद करते हैं, क्योंकि वह उनका कमाऊ बच्चा है। वहीं जब उनसे भारतीय टीम के लिए आईसीसी और एसीसी के सॉफ्ट कॉर्नर के बारे में सवाल किया गया, तब उन्होंने कहा, हमारे मौसरे के अंदर जो कमाऊ पूत होता है, वह सबसे प्यारा होता है, सबसे लाडला होता है और उनकी चुम्मियां ज्यादा ली जाती हैं।

हफीज ने कहा, भारतीय टीम जो है, वह एक रेवन्यू मेकिंग देश है, और पूरी दुनिया की जो बाइलेटर सीरीज भी होती हैं, जहां पर उनकी टीम जाती है स्पॉन्सरशिप मिलती है। उनके वारे न्यारे हैं। कार्यक्रम के एंकर ने जब उनसे पूछा कि, 'एक और जवाब दे दें। यह लाडले सिर्फ इस वजह से हैं कि ये अच्छे क्रिकेट खेलते हैं या फिर लाडले इस वजह से हैं कि अच्छा पैसा कमाते हैं? इसपर पूर्व पाक क्रिकेटर ने जवाब देकर कहा, 'दूसरी वाली बात। यानी पाक क्रिकेटर का मानना है कि भारतीय टीम को अच्छी आमदनी की वजह से इज्जत मिलती है।

केएल राहुल की प्रशंसा करते हुए गौतम गंभीर ने उन्हें बल्लेबाजी में सुधार की दी सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने केएल राहुल की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपनी बल्लेबाजी में सुधार के लिए एक सलाह दी गई है। राहुल पिछले महीने जिम्बाब्वे के खिलाफ लंबे ब्रेक के बाद क्रिकेट में वापस लौटे थे। आईपीएल 2022 के बाद वह पहले चोट और फिर कोरोना से जूझ रहे थे। लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद वह अभी टॉप फॉर्म में नहीं हैं। जिम्बाब्वे के खिलाफ दो मैचो में उन्होंने बल्लेबाजी की, लेकिन खास रन नहीं बना सके। इसके बाद एशिया कप 2022 में भी पाकिस्तान के खिलाफ वह गोल्डन डक हो गए। दूसरे मैच में हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ उन्होंने बेहद धीमी पारी खेली।

केएल राहुल का इसी साल जून में स्पोर्ट्स हर्निया का ऑपरेशन हुआ था। वापसी करने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अब तक चार पारियां खेली हैं, लेकिन महत्वपूर्ण योगदान देने में विफल रहे हैं। एशिया कप 2022 में हॉन्ग कॉन्ग के खिलाफ उन्होंने 39 गेंदों में 36

रन की पारी खेली। राहुल की फॉर्म को लेकर गौतम गंभीर का कहना है कि राहुल को अपनी क्षमताओं का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और टी20 क्रिकेट में अधिक स्वतंत्र रूप से खेलने की जरूरत है।

गौतम गंभीर ने कहा कि केएल में काफी क्षमता है, वास्तव में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा से भी ज्यादा, और उन्हें किसी को कुछ भी साबित करने की जरूरत नहीं है। गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, 'केएल राहुल में बहुत ज्यादा क्षमता है। मैं यह कहने में संकोच नहीं करूंगा कि इस ड्रेसिंग रूम में शायद उनके पास रोहित शर्मा से ज्यादा क्षमता है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा करके दिखाया है। यदि वह स्वतंत्र रूप से नहीं खेलते हैं तो केवल वह खुद को रोक सकते हैं।' उन्होंने कहा कि राहुल को खेल के सबसे छोटे प्रारूप में रुढ़िवादी तरीके से बल्लेबाजी नहीं करनी चाहिए। गंभीर ने कहा, 'उन्हें किसी को कुछ साबित करने की जरूरत नहीं है। आपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल में देखा है, आप केवल खुद को वापस पकड़ रहे हैं। बस खेलने जाओ। टी20 क्रिकेट इसलिए बनाया गया ताकि आप खुद को व्यक्त कर सकें।'

इस साल की शुरुआत में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए केएल राहुल को मेंटॉर करने वाले गंभीर को उम्मीद है कि राहुल क्रीज पर समय बिताकर आत्मविश्वास हासिल करेंगे और टूर्नामेंट के सुपर 4 चरण में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने कहा, 'चाहे आप 39 गेंदें खेलें या नौ गेंदें, दो बड़े शॉट आपको 39 गेंद खेलने से ज्यादा आत्मविश्वास देते हैं। मुझे उम्मीद है कि इन 39 गेंदों की वजह से वह आने वाले मैचों में खुलकर खेलेंगे, क्योंकि इस खिलाड़ी में इतनी क्षमता है।'

बाबर आजम का कैच लपकने के लिए एहसान खान ने चीते सी दिखाई फुर्ती, पाक कप्तान भी हुआ दंग

नई दिल्ली। एशिया कप-2022 का छठवां मैच काफी रोमांचक रहा यहां यह मुकाबला में पाकिस्तान और हॉन्गकॉन्ग के बीच शारजाह में खेला गया। इस मुकाबले में पाक टीम को 155 रनों से ऐतिहासिक जीत मिली। ग्रीन टीम को इस मुकाबले में जरूर बड़ी सफलता हाथ लगी, लेकिन कैप्टन बाबर आजम का लगातार दो मुकाबलों में सस्ते में आउट हो जाना टीम के लिए चिंता का विषय बन गया है। बीते शुक्रवार को शारजाह में वह महज नौ रन बनाने में कामयाब रहे। पाक कैप्टन को हॉन्गकॉन्ग के स्पिनर एहसान खान ने जिस तरह से आउट किया उसे देख वहां उपस्थित सभी लोग हैरान रह गए। दरअसल हॉन्गकॉन्ग के लिए तीसरा ओवर एहसान खान लेकर आए। उनके इस ओवर की पांचवीं गेंद को बाबर ने रक्षात्मक ढंग से खेलना चाहा। हालांकि गेंद पिच पर गिरने के बाद अपेक्षा से कुछ ज्यादा ही उपर उछली और बाबर इस अबूझ गेंद पर चकमा खा गए।

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच बनने को तैयार ट्रेवर बेलिस, अनिल कुंबले की लेंगे जगह

नयी दिल्ली। पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 सत्र से पहले विश्व कप विजेता कोच ट्रेवर बेलिस से मुख्य कोच के तौर पर करार करने को तैयार है। न्यू साउथ वेल्स के 59 वर्षीय बेलिस आईपीएल से नियमित रूप से जुड़े रहे हैं और हालमें उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद को कोचिंग दी थी। पंजाब की उम्मीद इस आस्ट्रेलियाई कोच से खिताब दिलाने पर लगी होगी। बेलिस 2019 में इंग्लैंड को पहला विश्व कप खिताब दिला चुके हैं और वह कोलकाता नाइट राइडर्स के सहयोगी स्टाफ के प्रमुख भी थे जब उसने 2012 और 2014 में आईपीएल जीता था। बेलिस भारत के महान क्रिकेटर अनिल कुंबले की जगह लेंगे जिनका अनुबंध बढ़ाया नहीं गया था क्योंकि उनके तीन साल के कार्यकाल में टीम प्लेआफ में पहुंचने में असफल रही थी। पंजाब आईपीएल के इतिहास में सिर्फ 2014 में फाइनल में पहुंची है जिसमें वह कोलकाता नाइट राइडर्स से हार गयी थी। आईपीएल के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''टीम ने ट्रेवर के साथ करार का फैसला किया है जो इस भूमिका में सर्वश्रेष्ठ हैं और उनका रिकॉर्ड भी इसे बया करता है। प्रबंधन उम्मीद कर रहा है कि टीम उनके मार्गदर्शन में खिताब जीते। '' उनके साथ अनुबंध पर जल्द ही हस्ताक्षर किये जायेंगे।

सनराइजर्स हैदराबाद ने ब्रायन लारा को दी बड़ी जिम्मेदारी, टॉम मूडी को कहा 'धन्यवाद'

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने बड़ा बदलाव करते हुए महान क्रिकेटर ब्रायर लारा को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। आपको बता दें कि ब्रायर लारा को हैदराबाद का मुख्य कोच बनाया गया है। अभी तक टॉम मूडी मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे थे लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें अलविदा कहते हुए ब्रायन लारा को यह जिम्मेदारी सौंपी है।

फ्रेंचाइजी ने बताया कि टॉम मूडी का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। ऐसे में हैदराबाद टीम में उनके योगदान के लिए धन्यवाद। यह पिछले कुछ वर्षों में एक बहुत ही पोषित यात्रा रही है और हम उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देते हैं। आपको बता दें कि टॉम मूडी साल 2013 से 2019 तक हैदराबाद के मुख्य कोच रहे हैं। इसके बाद साल 2021 में ट्रेवर बेलिस को हटाकर टॉम मूडी को एक बार फिर से मुख्य कोच की जिम्मेदारी दी गई थी।

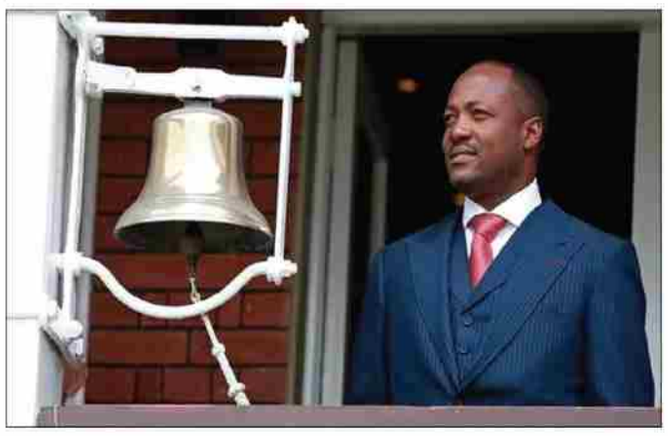

प्रो लीग से पहले अपनी समस्याओं पर मेहनत करेंगेः भारतीय डिफेंडर सुरेंदर

बेंगलुरु (एजेंसी)।

आस्ट्रेलिया के हाथों राष्ट्रमंडल खेल फाइनल में हारने के बाद हाथ आये मौके गंवाने पर अफसोस जताते हुए भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर सुरेंदर कुमार ने कहा कि टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग से पहले अपनी समस्याओं पर काम करेगी। भारत को बर्मिंघम खेलों के फाइनल में आस्ट्रेलिया ने 7-0 से हराया था। अब भारतीय टीम अगले महीने भुवनेश्वर में होने वाली प्रो लीग की तैयारी कर रही है।

सुरेंदर ने कहा- हमने बर्मिंघम खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन फाइनल में हाथ आये मौके नहीं गंवाते तो वापसी कर सकते थे। उन्होंने कहा- हमने आस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में गलतियां की और रणनीति पर अमल नहीं कर सके। अब इस शिविर में हम उन गलतियों को सुधारने पर फोकस करेंगे ताकि वही गलतियां बार-बार नहीं दोहराएं।

भारत का सामना 28 अक्टूबर से 6 नवंबर के बीच होने वाली प्रो लीग में न्यूजीलैंड और स्पेन से होगा। उन्होंने कहा-एफआईएच प्रो लीग 2022-23 से पहले टीम को इन समस्याओं पर काम करना होगा। हमें न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ मैचों पर फोकस करना होगा। अपनी गलतियों से सबक लेकर उन पर मेहनत करनी होगी। हम अपने मैचों के वीडियो देखेंगे और कोचों के साथ मिलकर इस पर काम करेंगे।

बीएफआई नयी महिला प्रतिभाओं को खोजने के लिये क्षेत्रीय चैम्पियनशिप आयोजित करेगा

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के साथ मिलकर पांच ओपन क्षेत्रीय चैम्पियनशिप आयोजित करेगा जिसमें करीब 3000 युवा और जूनियर महिला मुक्केबाजों के भाग लेने की उम्मीद है। चैम्पियनशिप अगले महीने शुरू हो रही हैं जो पूरे देश में युवा प्रतिभाओं को खोजने और तराशने की मुहिम के लिये बीएफआई और साइ की संयुक्त पहल है। टूर्नामेंट जूनियर बालिका और युवा महिला वर्गों में कराया जायेगा। जमीनी स्तर की इस बड़ी पहल की शुरूआत 15 सितंबर से गुवाहाटी में साइ के क्षेत्रीय केंद्र में खेलो इंडिया पूर्वी क्षेत्र ओपन क्षेत्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप से होगी। जूनियर बालिका स्पर्धा में 1400 प्रविष्टियों के आने की उम्मीद है जबकि 1600 मुक्केबाजों के युवा महिला वर्ग में हिस्सा लेने की संभावना है। चारों क्षेत्रीय टूर्नामेंट की सफल मुक्केबाज संयुक्त ओपन क्षेत्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में पहुंचेंगी जो नॉकआउट आधार पर कराया जायेगा। पहली चार क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं के लिये आधिकारिक ड्रा 15 सितंबर को गुवाहाटी में कराया जायेगा। टूर्नामेंट 16 से 22 सितंबर तक चलेगा। बीएफआई के महासचिव हेमंत कलिता ने विज्ञप्ति में कहा, ''हमारा लक्ष्य जूनियर और युवा स्तर पर नयी प्रतिभा तलाशना है। इस तरह की ओपन चैम्पियनशिप से सिर्फ मौका ही नहीं मुहैया करायेगी बल्कि उन्हें मंच भी देगी जिससे उन्हें राष्ट्रीय शिविर में चुने जाने और भारत का प्रतिनिधित्व करने और देश के लिये पदक जीतने का मौका मिल सकेगा।

बीसीसीआई ने पिछले साल ई नीलामी में खरीदा था नीरज चोपड़ा का भाला

नयी दिल्ली, 3 सितंबर। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मृति चिन्हों के संग्रह की जब ई नीलामी हुई थी तब ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा का भाला बीसीसीआई ने डेढ करोड़ रूपये में खरीदा था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। चोपड़ा ने तोक्यो ओलंपिक से लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निवास पर उनसे मुलाकात में उन्हें अपना भाला उपहार में दिया था। इस भाले समेत कई चीजों की ई नीलामी की गई जिनसे मिली रकम 'नमामि गंगे कार्यक्रम ' को गई। यह नीलामी सितंबर . अक्टूबर 2021 में हुई थी। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा ,'' बीसीसीआई ने नीरज के भाले पर बोली लगाई थी। इसके अलावा भी कुछ और वस्तुओं पर बोली लगाई। नमामि गंगे एक नेक काम है और बोर्ड के पदाधिकारियों को लगा कि देश के प्रमुख खेल संगठनों में से एक होने के नाते यह देश के प्रति हमारा कर्तव्य है।'' बीसीसीआई ने कोरोना महामारी के दौरान भी 'पीएम केयर्स फंड' में 51 करोड़ रूपये दिये थे। बोर्ड ने चोपड़ा के भाले के अलावा भारतीय पैरालम्पिक दल के हस्ताक्षर वाला अंगवस्त्र भी एक करोड़ रूपये में खरीदा था। चोपड़ा का भाला ई नीलामी में सबसे महंगा बिका जबकि भवानी देवी की तलवार सवा करोड़ रूपये में और पैरालम्पिक चैम्पियन सुमित अंतिल का भाला एक करोड़ 20 हजार रूपये में बिका।

सेरेना विलियम्सन ने टेनिस को कहा अलविदा, 1995 में की थी इंटरनेशनल करियर की शुरुआत

नयी दिल्ली, (एजेंसी)।

टेनिस की सेरेना विलियम्सन को यू एस ओपन में हार का सामना करना पडा है। सेरेना विलियम्सन का नाम टेनिस की सबसे महान खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। यू एस ओपन में हार के बाद माना जा रहा है कि यह मैच उनका आखिरी मैच था। हालांकि सेरेना इस बारे में अभी तक कोई पुष्टि नहीं की है। बता दें, सेरेना को यू एस ओपन में अजला तोम्लजानोविक ने सेरेना को 7-5, 6-7, 6-1 के अंतर से मात दी है।

इस हर के बाद सेरेना काफी इमोशनल भी नजर आयीं। सेरेना पिछले लगभग 18 महीनों से कुछ खास करने में कामयाब नहीं हो पायी हैं। लेकिन इस बार यू एस ओपन 2022 में उन्होंने शानदार शुरुआत की थी। उन्होंने पहले डांका कोविनिच को 6-3 से हराया था और बाद में वर्ल्ड नंबर-2 एनेट कोंतावेत को भी मात दी थी। लेकिन तीसरे राउंड में हार के बाद ऐसा लग रहा है कि वे संन्यास की घोसणा कर सकती हैं।

मैच में हार के बाद दिग्गज खिलाड़ी काफी इमोशनल नजर आयीं और उन्होंने अपने माता पिता को धन्यवाद कहा। मैच के बाद संन्यास को लेकर उन्होंने कुछ साफ नहीं किया है। सेरेना का कहना है कि भविष्य के बारे में हम पहले से कुछ अंदाजा नहीं लगा सकते हैं।

शानदार रहा 27 साल का सफर

सेरेना विलियम्सन ने 1995 में अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी और अपने इस लम्बे सफर में उन्होंने खूब सुर्खियां बटोरी हैं। उन्होने 27 साल के करियर में कुल 23 ग्रैंड स्लैम टाइटल जीतें है। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम जीतने वाली पहली टेनिस खिलाड़ी हैं।

मैच के बाद सेरेना से जब वापसी के बारे में पूछा गया तब उन्होंने कहा ÷कोई भी खिलाड़ी अपने भविष्य के बारे में नहीं जानता है। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता लेकिन मैं अभी अपनी माँ के समय बिताना पसंद करूंगी। मैं अब अपनी जिंदगी आराम से जीना चाहती हूँ।'

पार्टी की मजबूती पर ध्यान केंद्रित करें कार्यकर्ता : सांगे लेप्चा

अनुगामिनी का.सं.

योक्सम, 03 सितमबर । सत्ताधारी सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) की समष्टि स्तरीय समिति की योक्सम-ताशीडिंग इकाई की एक समन्वय बैठक शुक्रवार को यहां क्षेत्र विधायक सह राज्य विधानसभा के उपाध्यक्ष सांगे लेप्चा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। एसकेएम के समष्टि स्तरीय पार्टी कार्यालय में सम्पन्न हुई इस बैठक में सीएलसी अध्यक्ष बसंत तमांग, एसकेएम जिला संयोजक नंदू गुरुंग, सीएलसी महासचिव भागी राज शर्मा, सीएलसी उपाध्यक्ष नर बहादुर लिम्बू, शिवा लुइटेल, केशर कुमार खतिवाड़ा, एसके सामपांग, युवा संयोजक राम राई के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

बैठक के दौरान हुए एक चर्चा सत्र में सदन में कई मुद्दे रखे गये और सदस्यों ने अपने सुझाव भी पेश किये। यहां आसन्न पंचायत चुनाव को लेकर भी विचार-विमर्श हुआ। वहीं विधायक सांगे लेप्चा ने हर महीने सीएलसी पार्टी कार्यालय का भ्रमण कर आमलोगों से बातचीत करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा आने वाले दिनों में हरेक पंचायत ब्लॉक स्तर पर जनसंवाद कर अधिक से अधिक लोगों के सदस्यता अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया।

इस दौरान विधायक सांगे लेप्चा ने समष्टि स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं में आपसी समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने हरेक कार्यकर्ता से निचले स्तर पर पार्टी की मजबूती पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने समष्टि के विकास हेतु अपना हरसम्भव सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने सीएलसी कमिटी सदस्यों तथा पार्टी कार्यकर्ताओं को व्यक्तिगत विकास से ऊपर उठ कर सार्वजनिक विकास करने का सुझाव दिया।

इसके अलावा विधायक ने सीएलसी कार्यकर्ताओं एवं पार्टी सदस्यों को संगठन के सिद्धांतों तथा आदर्शों के अनुरूप काम करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, निचले स्तर पर पार्टी के सुचारू कार्यान्वयन हेतु हमें पार्टी अध्यक्ष के निर्देशों का कड़ाई से पालन करना होगा। पार्टी की मजबूती हरेक सदस्य का प्रमुख लक्ष्य होना चाहिये।

बैठक के दौरान राज्य सरकार की विभिन्न विकासमूलक गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया। यहां सीएलसी अध्यक्ष बसंत तमांग, जिला संयोजक नंदू गुरुंग, सीएलसी समन्वयक केशर कुमार खतिवाड़ा ने भी वक्तव्य रखा।

देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हैं केजरीवाल : तेजस्वी सूर्या

नई दिल्ली, 03 सितमबर (एजेनसी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को देश का सबसे बड़ा यू-टर्न नेता बताया और कहा कि गुजरात के युवा उनकी रेवड़ी और बेवड़ी की राजनीति को खारिज कर देंगे।

भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केजरीवाल की राजनीति में कोई साख और ईमानदारी नहीं है।

राजकोट शहर में केजरीवाल के संवाददाता सम्मेलन के कुछ ही देर बाद सूर्या ने कहा कि आप नेता के दिल्ली में अच्छे स्कूलों, मोहल्ला क्लिनिक और स्वच्छ राजनीति के दावों का भाजपा ने पर्दाफाश किया है।

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई का छापा स्वच्छ राजनीति के केजरीवाल के दावों के ताबूत में आखिरी कील थी।

केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर पिछले महीने सिसोदिया के आवास पर छापा मारा था।

दिल्ली सरकार की विवादित आबकारी नीति का संदर्भ देते हुए बेंगलुरु दक्षिण सीट से सांसद ने कहा, गुजरात के युवाओं ने (राज्य की) 30 साल की विकास यात्रा को गति प्रदान करने की कसम ली है। पक्का है कि गुजरात के युवा रेवड़ी और बेवड़ी की राजनीति को जरा सा भी जगह नहीं देंगे।

हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रेवड़ी संस्कृति वाली टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने यह टिप्पणी विपक्षी, खास तौर से आप द्वारा वोट पाने के लिए मुफ्त में चीजें देने के वादे पर की है।

सूर्या ने कहा, अरविंद केजरीवाल की राजनीति बिना साख और ईमानदारी की है। वह देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हैं। यहां तक की उनकी राजनीति भी ऑड-ईवन के हिसाब से चलती है। (दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण के लिए वाहनों पर लागू ऑड-ईवन योजना)। उनके बयानों को गुजरात और देश के युवा गंभीरता से नहीं लेते हैं।

सूर्या भाजयुमो कार्यकर्ताओं और भाजपा के स्थानीय नेताओं के साथ बाइक रैली में भाग लेने के लिए राजकोट आए हुए थे। उनका दौरा और केजरीवाल का घर-घर अभियान एक ही वक्त पर चल रहा है।

सूर्या ने कहा कि दिल्ली में आप के शासन के ट्रैक रिकॉर्ड का भाजपा ने पर्दाफाश कर दिया है।

उन्होंने कहा, केजरीवाल के बड़े स्कूलों के दावे का पर्दाफाश हो गया है, उनके मोहल्ला क्लिनिक और स्वच्छ राजनीति के दावों की तो पहले ही मृत्यु हो चुकी है, मनीष सिसोदिया के आवास पर सीबीआई का छापा और शराब घोटाले में उनकी संलिप्तता स्वच्छ राजनीति के उनके (केजरीवाल) दावे की ताबूत में आखिरी कील साबित हुई है।

उन्होंने कहा कि गुजरात ने स्वच्छ, जवाबदेह और पदार्शी शासन देखा है जिसने राज्य के वंचित और गरीबों के लिए भी समृद्धि और प्रगति सुनिश्चित की है।

सूर्या ने कहा, भारत दुनिया की एकमात्र अर्थव्यवस्था है जिसने जीडीपी में 13 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। यह संकेत है कि (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी कितने सक्षम तरीके से देश का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत की जनता की ओर से मैं देश को नरेंद्र मोदी जैसा नेता देने के लिए गुजरात को धन्यवाद देता हूं।

गुजरात की दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन केजरीवाल ने राजकोट में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया।

सूर्या के बयान पर एक सवाल के जवाब में केजरीवाल ने कहा, जब मैं लोगों को रोजगार देने और बेरोजगारी भत्ता देने का वादा करता हूं तो वे इसे रेवड़ी बताते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि जनता को सूर्या और उनके मंत्रियों, सांसदों/विधायकों की तरह सभी सुविधाएं क्यों नहीं मिलनी चाहिए।

उन्होंने कहा, विमान से उनकी (मंत्रियों, विधायकों और सांसदों) की यात्रा मुफ्त है। मैं कहता हूं कि जनता को कम से कम मुफ्त बस सेवा तो मुहैया कराएं। उन्हें हर महीने 4,000 यूनिट बिजली मुफ्त मिलती है, मैं कहता हूं कि जनता को कम से कम 300 यूनिट तो मुफ्त दें। आपको मिलती है तो यह रेवड़ी नहीं है, लेकिन जनता को मिलती है तो रेवड़ी बन जाती है।

चिवाभंज्यांग जाने वाली मूल गली क्षतिग्रस्त

के.एन. शर्मा

गेजिंग, 03 सितमबर । उत्तरे से पैदल यात्रा कर भारत नेपाल सीमा क्षेत्र चिवाभंज्यांग जाने वाली मूल गली अविरल वर्ष के कारण ध्वस्त हो गया है। एक ओर चिवाभंज्यांग जाने वाली सड़क मार्ग का निर्माण चल रहाहै दूसरी ओर इस पुरी गली के बाधित होने के कारण इसी गली से होकर सीमा क्षेत्र में तैनात जवानों के लिए जरूरी सामग्रियां और पैदल आने जाने का मार्ग बंद हो जाने के कारण काफी समस्या हो रही है।

उत्तरे कुनाबार , कालिज खोला होते हुए चित्रे को जोड़ने वाली मूल गली है जहां घोड़ा और याक के माध्यम से खाद्यान्न सामग्री लाई ले जायी जाती है । यहां के सेन्चुरि गेट परिसर के खहरे खोल्साओं में बनाए गया पुल भी ध्वस्त हो गया है। वहीं दूसरी ओर पर्यटन के मौसम में पर्यटकों के पैदल ट्रैकिंग वाला मूल गली भी खतरनाक हो गई है। यहां बनाया गया पर्यटन हट भी जीर्ण हो गया है।

पाकिम एसडीएम ने किया भूस्खलन प्रभावित इलाकों का निरीक्षण

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 03 सितमबर । पाकिम महकमा एसडीएम छिरिंग नोर्गेयाल थींघ ने आज सवेरे प्रशासनिक अधिकारियों की एक टीम के साथ असम लिंग्जे के चांगे स्थित रंगरंग खोला में भूस्खलन से क्षतिग्रस्त हुए इलाके का मुआयना किया। एसडीएम के साथ पाकिम बीडीओ, आरओ, पाकिम डीएसी, सड़क व सेतु विभाग के अभियंता भी थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से असम लिंगजे को पाकिम से जोड़ने वाली पीडब्ल्यूडी सड़क को बड़ा नुकसान पहुंचा है। सड़क पर कीचड़ एवं इसके ढलाव के कारण वहां लोगों एवं मशीनरियों को लगाया जाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में यह यातायात के लिए भी जोखिमपूर्ण हो गया है। वहीं भूस्खलन स्थल के निकट ही एक सुरक्षित स्थान पर ग्रामीणों एवं राहगीरों के पैदल आवागमन हेतु सड़क वे सेतु विभाग द्वारा बांस की एक पुलिया बना दी गयी है।

दूसरी ओर भूस्खलन से क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की मरम्मत के लिए भी पाकिम बीएसी द्वारा काम आरम्भ किया गया है।

सही लाभान्वितों तक पहुंचाए सरकारी सुविधा का लाभ : छिरिंग वांग्चुक लेप्चा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 03 सितमबर । महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज सिचे जिला पंचायत भवन में राज्य सरकार की 'सिक्किम आमा सशक्तिकरण योजना' के जिला अधिकारियों एवं फील्ड कार्यकर्ताओं के लिए एक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गंगटोक के अतिरिक्त जिला कलेक्टर तुषार निखारे की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में एडसी-विकास, एडीसी-गंगटोक मुख्यालय, गंगटोक नगर आयुक्त, एसडीएम गंगटोक के अलावा मुख्यमंत्री के अतिरिक्त राजनीतिक सचिव छिरिंग वांग्चुक लेप्चा, मुख्यमंत्री कार्यालय के आरओ सुरजय प्रधान, बीडीओ, डीपीओ, सीडीपीओ जीएमसी के सहायक आयुक्त एवं अधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस दौरान योजना के कार्यक्रम अधिकारी सह डब्ल्यूसीडीडी संयुक्त सचिव खेमराज भट्टाराई ने पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने लाभान्वितों के चुनाव में योग्यता मानदंड पर ध्यान देने तथा विभाग द्वारा तय की गयी समय सीमा में उनकी अंतिम सूची देने पर जोर दिया। वहीं मुख्यमंत्री के अतिरिक्त राजनीतिक सचिव छिरिंग वांग्चुक लेप्चा ने सही लाभान्वितों की पहचान कर उन तक सुविधाओं का लाभ पहुंचाने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य करने को कहा। इसमें उन्होंने निचले स्तर के कर्मियों के साथ समन्वय कर योजना के सही कार्यान्वयन को महत्वपूर्ण बताया।

इसके अलावा गंगटोक एडीसी ने अपने समापन वक्तव्य में सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) द्वारा तय की गयी 15 सितम्बर 2022 तक की समय सीमा के अंदर लक्ष्य प्राप्ति हेतु सभी से मिलकर कार्य करने को कहा। कार्यक्रम के दौरान एक चर्चा सत्र का भी आयोजन हुआ।

उल्लेखनीय है कि सिक्किम आमा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत सिक्किम सरकार की ओर से 18 से 50 आयु वर्ग की गैर-कामकाजी अविवाहित, विधवा, तलाकशुदा महिलाओ एवं एकल माताओं को सालाना 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

केजरीवाल ने गुजरात भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा- भाजपा न दोड़ें, वहीं रहकर आप के लिए काम करें

राजकोट, 03 सितमबर (एजेन्सी)। गुजरात दौरे पर गए दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को अपने पक्ष में करने के लिए खास अपील की। केजरीवाल ने शनिवार को गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं से सत्तारूढ़ दल में ही रहते हुए आम आदमी पार्टी (आप) के लिए काम करने की अपील की।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने गुजरात के अपने दो दिवसीय दौरे के अंतिम दिन शनिवार को राजकोट में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को भाजपा से 'भुगतान' लेते रहना चाहिए लेकिन अंदर से ही' उन्हें 'आप' के लिए काम करना चाहिए।

केजरीवाल ने कहा कि राज्य में उनकी पार्टी के सत्ता में आने पर भाजपा कार्यकर्ताओं को भी आम लोगों को दी गई सभी गारंटियों'' का लाभ मिलेगा।

आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि हम भाजपा नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल नहीं करना चाहते। भाजपा अपने नेताओं को रख सकती है। भाजपा के 'पन्ना प्रमुख', गांवों, बूथों और तालुकाओं के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में हमारे साथ जुड़ रहे हैं। मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि इतने वर्षों के बाद भी भाजपा ने उनकी सेवा के बदले उन्हें क्या दिया?'

केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और उनके परिवार के सदस्यों को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और मुफ्त बिजली जैसी सुविधाओं की पेशकश नहीं की, लेकिन आम आदमी पार्टी उनके कल्याण की परवाह करेगी। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अपनी पार्टी में ही रह सकते हैं लेकिन वे आम आदमी पार्टी के लिए काम कर सकते हैं। उनमें से कई लोगों को भाजपा की ओर से पैसे दिये जाते हैं, इसलिए वहां से पैसें लें लेकिन हमारे लिए काम करें, क्योंकि हमारे पास पैसा

नहीं है।

आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने कहा कि जब हम गुजरात में सरकार बनाएंगे, हम मुफ्त बिजली देंगे और यह भाजपा कार्यकर्ताओं को भी मिलेगी। हम आपको 24 घंटे मुफ्त बिजली देंगे और आपके बच्चों के लिए अच्छे स्कूल बनाएंगे जहां उन्हें मुफ्त शिक्षा मिलेगी। हम आपके परिवार के सदस्यों के लिए मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज सुनिश्चित करेंगे और आपके परिवार में महिलाओं को भत्ते के रूप में 1,000 रुपये प्रति माह भी देंगे।

केजरीवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि 27 वर्षों के शासन के बावजूद भाजपा में बने रहने का कोई अर्थ नहीं है। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से कहना चाहता हूं कि वहां रहें लेकिन आप के लिए काम करें। आप लोग बुद्धिमान हैं, भीतर से आम आदमी पार्टी के लिए काम करें।

केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी की गुजरात इकाई के महासचिव मनोज सोरथिया पर हाल में हुए हमले का मुद्दा उठाया और आशंका जताई कि 'आप का समर्थन करने के लिए गुजरात के लोगों पर कई और हमले होंगे।'

उन्होंने कहा कि मनोज सोरथिया पर हुए हमले से पता चलता है कि भाजपा हताश है। यह समझ में नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए। वे हार देख रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी कांग्रेस नहीं है और उसे सत्ताधारी पार्टी द्वारा डराया नहीं जा सकता।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्रो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com